राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 10 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–378 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस में शामिल हुए सुदीप बर्मन व आशीष साहा, एक दिन पहले छोड़ी थी पार्टी

अगरतला। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। एक दिन पहले पार्टी व विधानसभा से इस्तीफा देने वाले भाजपा नेता सुदीप रॉय बर्मन अपने करीबी सहयोगी आशीष साहा के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्हें दिल्ली स्थिति राहुल गांधी के आवास पर कांग्रेस की सदस्यता दिलाई गई। इस दौरान प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। दरअसल, सुदीप रॉय बर्मन व आशीष साहा ने सोमवार को त्रिपुरा विधानसभा व भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। दोनों इसके बाद दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे।

29 जनवरी को दिया था सरकार के विरोध में बयान

इससे पहले 29 जनवरी को भाजपा के बागी विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने त्रिपुरा सरकार पर हमला किया था। उन्होंने कहा था कि राज्य में लोकतंत्र नहीं है और यहां लोगों का दम घुट रहा है। साथ ही उन्होंने पार्टी छोड़ने के सवाल पर कहा था कि वह अपने लोगों से पूछने के बाद ही अपने भविष्य पर फैसला करेंगे। त्रिपुरा में 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

लोगों की आवाज दबाने का लगाया आरोप–सुदीप रॉय त्रिपुरा सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके हैं। पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते उन्हें मंत्री पद से हटा दिया गया था। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि राज्य में लोकतंत्र का कोई ठिकाना नहीं है क्योंकि लोकतांत्रिक ऑक्सीजन खत्म हो गई है। सुदीप ने राज्य में लोगों की आवाज दबाने का भी आरोप लगाया।

विधायक के करीबी कर रहे राज्य के हिस्सों में दौरा–विधायक ने कहा कि उनके करीबी सहयोगी आशीष साहा और उनके कार्यकर्ता जिन्होंने माकपा को सत्ता से हटाने और भाजपा को सत्ता में लाने में अहम भूमिका निभाई थी, वे पिछले कुछ दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं और लोगों से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अब सरकार से पीड़ित लोगों की आवाज सुननी शुरू कर दी है।

क्या अब ममता को भी बाय–बाय कहेंगे प्रशांत किशोर? टीएमसी नेताओं की नाराजगी के बाद मतभेद आया सामने

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर टीएमसी के कई नेताओं के व्यवहार से खुश नजर नहीं आ रहे हैं। नगरपालिका चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर दोनों तरफ से नाराजगी बढ़ गई है।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इस बात की अटकलें तब लगने लगीं जब कई टीएमसी नेता नगरपालिका चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर प्रशांत किशोर से नाराजगी जताने लगे। इन नेताओं को प्रशांत किशोर की दखल अंदाजी पसंद नहीं आ रही है। वहीं प्रशांत किशोर भी टीएमसी नेताओं के व्यवहार से खुश नजर नहीं आ रहे हैं और अलग रास्ता अख्तियार करने का मन बना लिया है। सूत्रों के अनुसार प्रशांत ने ममता बनर्जी को यहां तक कह दिया है कि वे अब काम नहीं करना चाहते हैं। वहीं ममता ने भी दो टूक जवाब देते हुए थैंक-यू बोल दिया है।

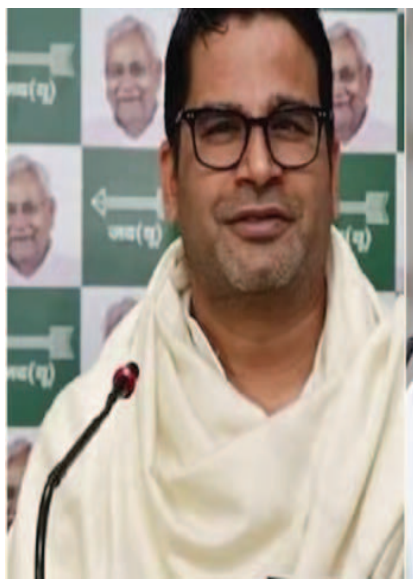

विस्तार से जानिए आखिर क्यों हुआ विवाद –विवाद शुक्रवार शाम को उस समय शुरू हुआ जब तृणमूल कांग्रेस महासचिव पार्थ चटर्जी और पार्टी अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने पार्टी के उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची जारी की जिस पर उनके हस्ताक्षर थे। पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर उम्मीदवारों की एक अलग अहस्ताक्षरित सूची दिखाई दी। दोनों सूचियों के बाहर होने के बाद, राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, क्योंकि कई असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को टायर जलाने और नारे लगाने के लिए सड़कों पर उतरते देखा गया।

ममता बनर्जी ने भी दी पार्टी नेताओं को ही तरजीह

ममता बनर्जी ने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, पार्थ चटर्जी और सुब्रत बख्शी द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची अंतिम है। हर किसी को खुश नहीं किया जा सकता है। कुछ भ्रम है।

टीएमसी ने किया समन्वय समितियों का गठन तो प्रशांत हुए नाराज

इन सब के अलावा तृणमूल कांग्रेस ने जब सोमवार को घोषणा की कि उसने पार्टी सदस्यों की शिकायतों को देखने के लिए सभी जिलों में समन्वय समितियों का गठन किया है जिसमें वरिष्ठ नेता शामिल हैं। इसके बाद से टीएमसी और प्रशांत किशोर के संगठन आई-पीएसी के बीच संबंधों में तनाव की अटकलें और भी तेज हो गईं।

इस बात की अटकलें तब लगने लगीं जब कई टीएमसी नेता नगरपालिका चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर प्रशांत किशोर से नाराजगी जताने लगे। इन नेताओं को प्रशांत किशोर की दखल अंदाजी पसंद नहीं आ रही है। वहीं प्रशांत किशोर भी टीएमसी नेताओं के व्यवहार से खुश नजर नहीं आ रहे हैं और अलग रास्ता अख्तियार करने का मन बना लिया है। सूत्रों के अनुसार प्रशांत ने ममता बनर्जी को यहां तक कह दिया है कि वे अब काम नहीं करना चाहते हैं।

महाभारत में भीम का किरदार निभाने वाले प्रवीण कुमार का निधन, आर्थिक तंगी से थे परेशान

नई दिल्ली। बीआर चोपड़ा के पौराणिक शो, 'महाभारत' में भीम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता प्रवीण कुमार सोबती ने 74 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली है। जानकारी के मुताबिक अभिनेता लंबे समय से बीमारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। प्रवीण कुमार सोबती ने न केवल अभिनय की दुनिया में बल्कि खेल की दुनिया में भी खूब नाम कमाया था।

एशियाई खेलों में कर चुके हैं भारत का प्रतिनिधित्व

अपनी कद काठी की वजह से प्रवीण कुमार सोबती लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध थे। एक अभिनेता होने के अलावा, वह एक एथलीट भी थे। हैमर और डिस्क थ्रो में उन्होंने कई पदक जीते हैं। बीएसएफ में डिप्टी कमांडेंट रह चुके प्रवीण ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है। हांगकांग में आयोजित एशियाई खेल में उन्होंने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 1960 और 70 के दशक के दौरान एथलेटिक्स में जबरदस्त लोकप्रियता भी हासिल की थी।

एक–दो दिन में फिर बिगड़ने वाला है मौसम

दिल्ली समेत कई राज्यों में होगी बारिश, पहाड़ों में बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में इनदिनों मौसम साफ है। पिछले दिनों की तुलना में तापमान में भी बढोत्तरी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में एक बार फिर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा समेत कई राज्यों में तापमान में गिरावट के साथ ही कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार से एक बार फिर मौसम बिगड़ सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार और अगले दो से तीन दिन मौसम बिगड़ा रहेगा। इस बीच, पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी रहेगी। उत्तराखंड में आज (मंगलवार) से हल्की बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया गया है। वहीं, राष्ट्रीय

गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान आठ डिग्री गिरकर 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,

राजधानी में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज करने के साथ दिल्लीवासियों की सोमवार की सुबह सुखद रही। मौसम विभाग ने दिन के लिए मुख्य रूप से आसमान साफ रहने की भविष्यवाणी की है और अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई है। साथ ही बुधवार को हल्की बारिश के साथ आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहने की भी भविष्यवाणी की है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 262 दर्ज की गई। फरीदाबाद में एक्यूआइ (289), गाजियाबाद (316), ग्रेटर नोएडा (217), गुड़गांव (244) और नोएडा (219) पर एक्यूआइ दर्ज किया गया। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआइ अच्छा माना जाता है। 51 और 100 संतोषजनक, 101 और 200 मध्यम, 201 और 300 खराब, 301 और 400 बहुत खराब, और 401 से 500 के बीच बेहद गंभीर माना जाता है। गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान आठ डिग्री गिरकर 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 19 साल में फरवरी का सबसे ठंडा महीना रहा है। 1 फरवरी, 2003 को राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

श्रीलंका की नौसेना ने रामेश्वरम के 16 मछुआरों को किया गिरफ्तार, तीन नाव भी हिरासत में

चेन्नई। श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 16 मछुआरों को पकड़ लिया है।

क्यू ब्रांच पुलिस के मुताबिक, सोमवार-मंगलवार को मध्यरात्रि दो बजे रामेश्वरम के दो मछुआरों और तीन नावों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़ लिया गया है। बता दें कि कई बार इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें श्रीलंका की तरफ से इस तरह की कार्रवाई की गई है। तमिलनाडु सरकार ने भी एक बार केंद्र से मछुआरों को छुड़ाने के लिए श्रीलंका से बात करने का आग्रह किया था। श्रीलंका के पास कई भारतीय मछुआरे कैद हैं।

दाऊद इब्राहिम और उसके गुर्गों के खिलाफ NIA ने दर्ज किया FIR, भारत में आतंकी साजिश रचने के आरोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और छोटा सकील सहित उसके गैंग के छह लोगों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने एनआईए प्रवक्ता पाराशर के हवाले से इसकी पुष्टि की है। जांच एजेंसी ने गृह मंत्रालय से हाल ही में प्राप्त एक आदेश के बाद दाऊद के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सूत्रों ने कहा है कि आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने दाऊद और अन्य के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया है। एनआईए में एक उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम पुलिस अधीक्षक के साथ मामले की जांच करेगी।

सूत्रों ने बताया कि प्राथमिकी में दाऊद और उसके कई सहयोगियों के नाम शामिल हैं, जिनमें हवाला के पैसे ठिकाने लगाने सहित विभिन्न माध्यमों से भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में उनकी भूमिका का जिक्र है।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी सम्मेलन 2022 में बोलते हुए कहा था कि आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के बीच संबंधों को पूरी तरह से पहचाना जाना चाहिए और इसे सख्ती से संबोधित किया जाना चाहिए। इसे दाऊद इब्राहिम के पाकिस्तान में छिपे होने का परोक्ष संदर्भ माना गया था।

तिरुमूर्ति ने कहा था, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के बीच संबंधों को पूरी तरह से पहचाना जाना चाहिए और सख्ती से संबोधित किया जाना चाहिए। हमने 1993 के मुंबई बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार अपराध सिंडिकेट को न केवल राज्य की सुरक्षा दी, बल्कि 5-सितारा आतिथ्य का आनंद लेते देखा। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम भारत का मोस्ट वांटेड भगोड़ा है। 12 मार्च 1993 को मुंबई में 13 बम विस्फोट हुए थे। इस हमले में 257 लोग मारे गए थे। वहीं, 713 से अधिक घायल हो गए थे। हमलों की योजना दाऊद इब्राहिम ने बनाई थी।

सुकेश चंद्रशेखर ने फिर किया जेल अधिकारियों को रिश्वत देने का प्रयास, तिहाड़ की दूसरी सेल में भेजा गया

नई दिल्ली। महाठग सुकेश चंद्रशेखर पर एक बार फिर पुलिस अधिकारियों को रिश्वत देने की कोशिश करने का आरोप लगा है। इस मामले में तीन जेल अधिकारियों को पहले ही दूसरी जेल में स्थानांतरित किया जा चुका है, लेकिन अब सुकेश की भी सेल बदल दी गई है। तिहाड़ जेल में बंद सुकेश को दूसरी सेल में स्थानांतरित किया गया है। जेल प्रशासन के मुताबिक, उसे जेल नंबर-4 से जेल नंबर-1 की सेल में भेजा गया है।

दरअसल, सुकेश चंद्रशेखर पर आरोप है कि उसने एक बार फिर तिहाड़ जेल नंबर-4 के अधिकारियों को रिश्वत देने की कोशिश की है। इस संबंध में महानिदेशक (जेल) संदीप गोयल ने बताया कि आरोपों की जांच की गई तो पता चला कि सुकेश ने जेल में मौजूद अपने ही एक साथी के बैंक खाते में 1.25 लाख रुपये जमा कराए थे। साथ ही उसने जेल नंबर 4 के एक अधिकारी को रिश्वत की पेशकश की थी। इसके बाद तीन जेल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें दूसरी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया और सुकेश के साथी को दूसरी जेल में भेज दिया गया। अब सुकेश की भी सेल बदल दी गई है।

ईओडब्ल्यू भी कर रही जांच– दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) भी सुकेश चंद्रशेखर के मामले की जांच कर रही है। ईओडब्ल्यू ने हाल ही में 82 जेल अधिकारियों से पूछताछ की अनुमति मांगी थी, जिन्होंने कथित तौर पर सुकेश को जेल के अंदर विशेष सुविधाएं दिलाई थी। इस तथ्य के सामने आने के बाद जेल अधिकारियों में हड़कंप मच गया था और उन्होंने धरना भी दिया था।

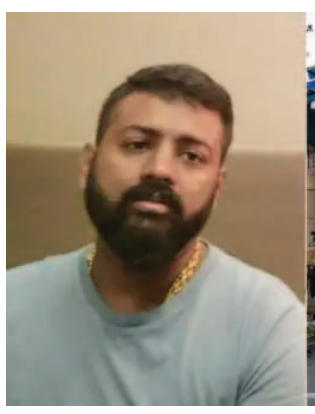

जांच में पता चला है कि सुकेश ने रिश्वत की रकम जेल नंबर चार के एक कैदी के भाई के खाते में भेजी थी। शक है कि तीन अफसरों के लिए 1.25 लाख रुपये जमा कराए गए थे। ये रुपये पेटीएम के जरिए खाते में भेजे गए थे। इसके बाद दो सहायक अधीक्षक और एक हेड वार्डन पर कार्रवाई की गई। इन जेल अधिकारियों को जेल मुख्यालय से जिला लाइन भेज दिया गया है।

जांच के बाद सुकेश चंद्रशेखर को गत 30 जनवरी को ही जेल नंबर चार से एक नंबर जेल में भेजा गया था। जबकि, तीनों जेल अधिकारियों को 31 जनवरी को जेल से हटा दिया गया था

- संदीप गोयल, डीजी, तिहाड़ जेल

सुविचार

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है - जॉन टिलोटसन

संपादकीय

महामारी और पढ़ाई

हमने सामान्य हालात की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है। सोमवार को देश के बहुत से प्रदेशों में स्कूल-कॉलेज खुल गए, उनके परिसरों में पुरानी रौनक लौट आई। कंधों पर बस्ते लादे स्कूल जाते छोटे-छोटे बच्चों को देखना हमेशा ही सुखद होता है। कई राज्यों में सोमवार से ही यह दृश्य भी दिखाई देना शुरू हो गया और कुछ राज्यों में इसके लिए अगले सोमवार का इंतजार करना होगा। देश के ज्यादातर प्रदेशों में कक्षा नौ से ऊपर की सभी कक्षाओं की पढ़ाई सोमवार से शुरू हो गई है, जबकि एकाध राज्य में इसका उल्टा तरीका अपनाया गया है। वहां छोटे बच्चों के स्कूल पहले खोले गए हैं। यह अच्छी बात है कि देश के तकरीबन सभी राज्य एक साथ महामारी के दौर में शिक्षा-व्यवस्था को सामान्य बनाने में जुट गए हैं। इस समय जब नए संक्रमितों की दैनिक संख्या और संक्रमण की दर, दोनों नीचे आ रहे हैं, तब इस तरह का फैसला स्वाभाविक ही था। महामारी के खतरों को देखते हुए स्कूलों को खोला जाए या नहीं, इसे लेकर पिछले दो साल में पूरी दुनिया में खासी माथा-पच्ची हुई है। अमेरिका वगैरह में तो महामारी की पहली लहर के बाद ही स्कूल खोलने की कोशिशें शुरू हो गई थीं। लेकिन तब परिणाम अच्छे नहीं रहे थे। तभी यह खतरा भी समझ में आया था कि कोरोना वायरस भले बच्चों को शिकार नहीं बनाता, लेकिन कुछ बच्चे अगर इस वायरस को लेकर घर पहुंचते हैं, तो वयस्कों और बुजुर्गों को इससे खतरा हो सकता है। इस दो साल में पूरी दुनिया ने स्कूलों के गेट बंद कर ऑनलाइन शिक्षा की संभावनाएं और सीमाएं भी समझ ली हैं। यह भी समझ में आ गया है कि इस माध्यम से बच्चों को शिक्षित तो किया जा सकता है, लेकिन उनका पूरा मानसिक विकास नहीं हो सकता। ऑनलाइन शिक्षा संगी-साथियों का विकल्प नहीं दे सकती। स्कूलों में जब बच्चे एक-दूसरे से मिलते हैं, तो वे सामाजिक संबंधों का ककहरा भी सीखते हैं। इस समय जब बड़ी संख्या में लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है और देश की सभी गतिविधियां सामान्य रूप से चलाई जाने लगी हैं; बाजार खुल गए हैं और यहां तक कि चुनाव भी हो रहे हैं, तब यह अच्छी तरह समझ में आ चुका है कि पूर्ण बंदी से नुकसान भले हो जाए, कोई बहुत बड़ा फायदा नहीं मिलता। ऐसे में, सिर्फ शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का कोई अर्थ नहीं रह गया है। पिछले कुछ समय में जिस भी गतिविधि को सामान्य किया गया है, सभी में यह आग्रह रहा है कि पूरी सावधानी बरती जाए। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और सैनेटाइजेशन को हर जगह अपनाया जाए। लेकिन सच यह है कि ज्यादातर जगहों पर लोग इसका पालन नहीं कर रहे हैं। अगर प्रयास किए जाएं, तो इसकी शुरुआत हमारे स्कूल ज्यादा अच्छी तरह से कर सकते हैं। स्कूलों को महामारी से लड़ने की पाठशाला बनाया जाए, तो इसका असर पूरे समाज पर दिख सकता है। पूरे देश में किशोर वय बच्चों को वैक्सीन भी लगने लगी है। यह काम स्कूलों में उसी तरह से किया जा सकता है, जैसे कभी हैजे और चेचक के मामले में किया जाता था। यह भी जरूरी है कि महामारी से लड़ाई को छोटे बच्चों के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। फिलहाल तो इतिहास विषय में भी इनके बारे में नहीं पढ़ाया जाता।

अनोखी आकृतियों से गहराया ब्रह्मांड का रहस्य

मुकुल व्यास

हमारा ब्रह्मांड विचित्रताओं और रहस्यों से भरपूर है। इसके बारे में बहुत-सी चीजें अभी तक अज्ञात हैं। खगोल वैज्ञानिक निरंतर इन रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश करते रहते हैं। इस क्रम में उन्होंने कुछ ऐसी अनोखी संरचनाओं का पता लगाया है, जिनके बारे में पहले नहीं सुना गया था। इन संरचनाओं में हजारों प्रकाश वर्ष दूर तक फैली पट्टी, पटाखों की लड़ियों जैसी आकृतियां और प्रचंड ऊर्जा छोड़ने वाले पिंड शामिल हैं। खगोल वैज्ञानिकों ने हाल ही में पृथ्वी से 55000 प्रकाश-वर्ष दूर एक हाइड्रोजन की लंबी पट्टी खोजी है। उनका कहना है कि यह हमारी मिल्की-वे यानी आकाशगंगा की सबसे बड़ी संरचना है। मैगी नामक हाइड्रोजन की यह विशाल पट्टी 3900 प्रकाश वर्ष लंबी और 130 प्रकाश वर्ष चौड़ी है। यह करीब 13 अरब वर्ष पहले बनी थी। जर्मनी के मैक्स प्लांक एस्ट्रोनॉमी इंस्टिट्यूट के खगोल वैज्ञानिकों के नेतृत्व में एक अंतर्राष्ट्रीय दल ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के गाइया उपग्रह की मदद से इस संरचना की नाप-जोख की है। इस अध्ययन के एक सह-लेखक जुआन सोलेर को एक वर्ष पहले इस संरचना के अस्तित्व के कुछ संकेत मिल गए थे। उन्होंने अपने देश कोलंबिया की सबसे लंबी नदी के नाम पर इस संरचना का नाम मैगी रखा। आंकड़ों के प्रारंभिक विश्लेषण में मैगी को पहचानना संभव हो गया था लेकिन वर्तमान अध्ययन से ही यह साबित हुआ कि यह एक लंबी पट्टी है। बिग बैंग अथवा ब्रह्मांडीय महाविस्फोट के करीब 380000 वर्ष बाद हाइड्रोजन का निर्माण हुआ था। मिल्की-वे का गठन उससे एक अरब साल पहले हुआ था। हाइड्रोजन ब्रह्मांड में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला पदार्थ है। लेकिन इस गैस को डिटेक्ट करना बहुत ही दुष्कर कार्य है। इस संदर्भ में हाइड्रोजन की लंबी पट्टी की खोज बहुत ही रोमांचक है। इस अध्ययन के प्रथम लेखक जोनास सैयद ने कहा कि पट्टी की लोकेशन से इस खोज में मदद मिली। हम अभी यह नहीं जानते कि ये पट्टी वहां कैसे बनी लेकिन यह मिल्की-वे के समतल करीब 1600 प्रकाश वर्ष तक फैली हुई है। इसकी वजह से हाइड्रोजन से होने वाले विकिरण को पृष्ठभूमि में आसानी से देखा जा सकता है। इससे पट्टी को देखना संभव हो जाता है। मैगी का गहराई से विश्लेषण करने के बाद वैज्ञानिकों ने पाया कि पट्टी में कुछ बिंदुओं पर गैस आकर मिलती है। ये संभवतः वे क्षेत्र हैं जहां गैस जमा होकर बड़े बादलों में तब्दील होती है। शोधकर्ताओं का ख्याल है कि ऐसे क्षेत्रों में आणविक गैस मॉलिक्यूल के रूप में परिवर्तित होती है। नया अध्ययन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। मिल्की-वे में हाइड्रोजन की पट्टी को खोजने में गाइया उपग्रह का बहुत बड़ा योगदान है। यह उपग्रह इस समय मिल्की-वे आकाशगंगा का त्रिआयामी नक्शा तैयार कर रहा है। अपने मिशन के दौरान उसने इसकी संरचना, गठन और विकास के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं। इस उपग्रह को दिसंबर, 2013 में भेजा गया था। तब से यह पृथ्वी की कक्षा से करीब 16 लाख किलोमीटर की दूरी पर सूरज की परिक्रमा कर रहा है। अपनी यात्रा के दौरान वह मिल्की-वे की तस्वीरें खींच रहा है और छोटी आकाशगंगाओं के तारों की पहचान कर रहा है जिन्हें काफी समय पहले हमारी आकाशगंगा द्वारा निगल लिया गया था। गाइया के मिशन के दौरान हजारों पिंडों का पता चलने की उम्मीद है जो अभी तक खोजे नहीं गए हैं। इनमें निकटवर्ती तारों के इर्द-गिर्द घूमने वाले ग्रह, पृथ्वी के लिए खतरा बनने वाले क्षुद्रग्रह और सुपरनोवा विस्फोट शामिल हैं। इस मिशन से भौतिक-खगोलविदों को अंतरिक्ष में डार्क मैटर (अदृश्य पदार्थ) के वितरण के बारे में नई जानकारियां मिलने की उम्मीद है। समझा जाता है कि यह पदार्थ ब्रह्मांड को जोड़े हुए है। ब्रह्मांड से आने वाली रेडियो तरंगों की निगरानी करने वाले खगोल वैज्ञानिकों के एक दूसरे दल को एक ऐसे रहस्यमय पिंड का पता चला है जो प्रचंड ऊर्जा उत्सर्जित कर रहा है। ऐसी कोई चीज पहले कभी नहीं देखी गई थी। इस फिरकते हुए पिंड का पता मार्च, 2018 में चला था लेकिन इसकी पुष्टि आंकड़ों के विस्तृत विश्लेषण के बाद हाल ही में हुई है। पृथ्वी से करीब 4000 प्रकाश वर्ष दूर स्थित इस पिंड से हर 18 मिनट में तीव्र विकिरण निकल रहा था। उन क्षणों में यह 'ब्रह्मांडीय प्रकाश स्तंभ' की तरह रेडियो तरंगों का सबसे चमकदार स्रोत बन गया था, जिसे पृथ्वी से भी देखा जा सकता था। खगोल वैज्ञानिकों का ख्याल है कि यह या तो किसी ढह चुके तारे का अवशेष है या कुछ और है। दरअसल, तारे के अवशेष भी दो तरह के हो सकते हैं। या तो यह अवशेष किसी न्यूट्रॉन तारे का है या एक प्रबल चुंबकीय क्षेत्र वाले एक छोटे तारे (वाइट ड्वार्फ स्टार) का है। इस खोज का विवरण नेचर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन की प्रमुख लेखक और ऑस्ट्रेलिया के कर्टिन विश्वविद्यालय की खगोल भौतिकविद नताशा हर्ले-वॉकर ने कहा कि हमारे पर्यवेक्षण के दौरान यह पिंड कुछ-कुछ घंटों में प्रकट होता रहा और गायब होता रहा। यह हमारे लिए अप्रत्याशित घटना थी। कर्टिन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता टायरोन डोहर्टी ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया स्थित मर्चिसन वाइडफील्ड टेलीस्कोप की मदद से इस अनोखे पिंड की खोज की। इस बीच, मिल्की-वे के मध्य भाग की टेलीस्कोप से ली गई तस्वीर में करीब 1000 रहस्यमय लड़ियों का पता चला है जो अंतरिक्ष में लटकती हुई प्रतीत होती हैं। 150 प्रकाश वर्ष तक फैली हुई ये लड़ियां, जोड़ों या झुंड में हैं और हार्प वाद्य यंत्र के तारों की तरह समान दूरी पर स्थित हैं। अमेरिका की नार्थ वेस्टर्न यूनिवर्स यूनिवर्सिटी के खगोल वैज्ञानिक फरहद यूसफ-जादेह ने सबसे पहले अस्सी के दशक में मिल्की-वे में चुंबकीय लड़ियों का पता लगाया था। तब से इनकी उत्पत्ति को लेकर एक बड़ा रहस्य बना हुआ था अब टेलीस्कोप से ली गई नई तस्वीर में दस गुणा ज्यादा लड़ियां दिखाई दे रही हैं। नई जानकारी से इन लड़ियों के रहस्य को सुलझाने में मदद मिलेगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

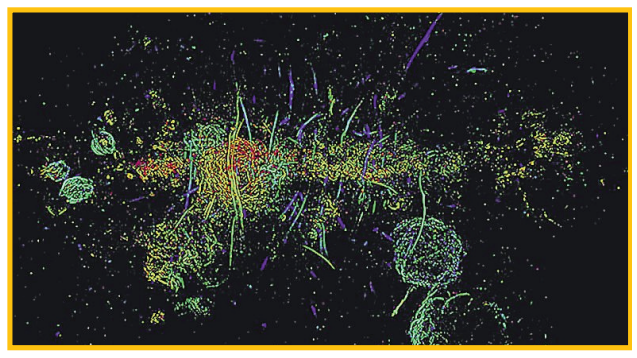

गुलामी के प्रतीकों से लगाव की दूषित मानसिकता!

(लेखक- डॉ राघवेंद्र शर्मा)

भारत में विभिन्न राष्ट्रीय पर्वों पर ढोए जाने वाले गुलामी के प्रतीक चिन्हों को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा तेजी से बदला जा रहा है। इससे गुलाम मानसिकता और भारत के बाहर स्थित अन्य राष्ट्रों में अपनी निष्ठाएं रखने वाले दलों व उनके नेताओं में बेचैनी का माहौल है। हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस मनाया गया तो उसके समापन समारोह पर होने वाली बीटिंग रिट्रीट में से एक ऐसे गीत को हटा दिया गया, जिसका भारतीय संस्कृति, स्वाभिमान अथवा संप्रभुता से किसी भी प्रकार का सरोकार नहीं था। उसे ब्रिटिश मूल के एक कवि द्वारा रचा गया था और वह केवल और केवल ब्रितानी साम्राज्य को ही समर्पित था तथा उससे गुलामी मानसिकता की बू आती थी। उसके स्थान पर एक ऐसा गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी' जोड़ा गया जो हमारी सेना के जवानों को समर्पित है। इस परिवर्तन को लेकर देशभर से जो बधाइयां और शुभकामनाएं संदेश आ रहे हैं, उन्हें देख सुनकर यह संतुष्टि प्राप्त होती है कि नागरिकों ने इस परिवर्तन को मुक्त कंठ से सराहा है और उसे हृदय से ग्रहण किया है। लेकिन यह जानकर आश्चर्य हुआ कि राष्ट्रीय निष्ठाओं के हित में किया गया यह परिवर्तन चंद राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और उंगलियों पर गिने जा सकने वाले स्वयंभू प्रबुद्धजनों को रास नहीं आ रहा है। यह जानकर केवल बुरा ही नहीं लगा, मन व्यथित भी हुआ और अंतर्मन में यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि देश के एक खास वर्ग, चुनिंदा राजनीतिक दलों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों को वह सब क्यों भाता है, जिसे स्मरण करने मात्र से दासता अथवा गुलाम मानसिकता के जीवंत बने रहने का एहसास पैदा होता है। कौन हैं यह लोग? जो राष्ट्रीय स्वाभिमान, संस्कार और संस्कृति को मानने वालों को हमेशा दकियानूसी, सांप्रदायिक और संकुचित मानसिकता वाली दक्षिणपंथी विचारधारा का पोषक साबित करने में जुटे रहते हैं। जहां तक मेरा अध्ययन है, ये शब्द उन नेताओं, राजनीतिक दलों और कथित प्रबुद्ध जनों ने गढ़े हैं, जो खुद को वामपंथी विचारधारा का समर्थक मानकर गौरव का अनुभव करते हैं। यह खुद को वामपंथी मानें या फिर कुछ और, इसमें किसी को क्या एतराज हो सकता है? लेकिन इन्हें यह अधिकार किसने दिया कि जिनके विचारों से इनकी भारत के बाहर स्थित निष्ठाएं मेल नहीं खातीं, यह उन्हें दक्षिणपंथी, सांप्रदायिक और दकियानूसी शब्दों से पुकारना शुरू कर दें? सही बात तो यह है कि भारतीय संस्कृति में दक्षिणपंथी जैसी विचारधारा कोई थी ही नहीं और ना वर्तमान में ही है। किंतु हां, दो विचारधाराएं यहां लंबे अरसे से देखने को मिल रही हैं। इनमें से एक है सेक्यूलर वाद, जिसमें वामपंथी विचारधारा भी निहित है। इनका भारतीय संस्कृति और उसके गौरवशाली इतिहास से कोई लेना देना नहीं है। भारतीय शब्दावली में इसे धर्मनिरपेक्षता वाद कहा गया है। धर्म निरपेक्ष यानी कि जो धर्म से ही निरपेक्ष है, उस के पक्ष में कतई नहीं। दूसरी वह विचारधारा, जिसे इन्हीं के जैसे इतिहासकारों और तथाकथित प्रबुद्ध जनों ने राष्ट्रवाद का नाम दे रखा है। यह वह विचारधारा है जिसमें राष्ट्रीयता, अपनी संस्कृति और संस्कारों से प्रेम निहित हैं। इसमें धर्म युक्त आचरण अपेक्षित है और धर्म को सही मायने में दायित्व माना गया है। उदाहरण के लिए- पुत्र का पालन पोषण पिता का धर्म, माता पिता की सेवा पुत्र का धर्म, नागरिकों का हित करना राष्ट्र धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना नागरिक का धर्म माना गया है। इनके लिए कहा जाने वाला दक्षिणपंथी अथवा राष्ट्रवादी शब्द सर्वथा गलत है। भारत का किसी भी वाद से कभी कोई लेना-देना रहा ही नहीं। पश्चिमी इतिहासों का अध्ययन करने के बाद हम यह पाते हैं कि 'वाद' का प्रादुर्भाव पश्चिमी मूल के 'इज्म' शब्द से हुआ है। यदि पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा रचित साहित्य की बात करें तो उसमें 'इज्म' अथवा 'वाद' उस प्रक्रिया को कहा गया है, जो अपना अधिपत्य अथवा मत बलात् स्थापित करने या फिर दूसरों पर थोपने हेतु बलपूर्वक अपनाई गई। इस दृष्टि से देखा जाए तो विदेशी और खासकर पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित वामपंथियों, धर्मनिरपेक्षता वादियों द्वारा दिए गए राष्ट्रवाद जैसे शब्दों को सही नहीं ठहराया जा सकता। क्योंकि वाद अथवा इज्म हमारे संस्कार में कभी रहा ही नहीं। यदि अपवाद स्वरूप देश के किसी राजा, बादशाह या फिर सामंत ने इसे बलात् थोपने के कुत्सित प्रयास किए भी, तो हमारे ही स्थानीय वीर योद्धाओं और विचारकों ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। इनमें महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी और चंदबरदाई जैसे महामानवों के नाम लिए जा सकते हैं। हमारे ऐसे अनेक पूर्वज और हम देश प्रेमी अथवा राष्ट्रीयता के विचार से हमेशा ओतप्रोत रहे। हमारे देश में पहले राजशाही रही हो अथवा वर्तमान में लोकशाही, यहां के किसी भी शासक ने दूसरे राष्ट्रों के प्रति कभी भी ऐसा कोई कृत्य किया ही नहीं, जिससे वाद या फिर इज्म की तोहमत हम पर लगती हो। कहने का आशय यह कि सेक्यूलर वादियों और वामपंथियों द्वारा थोपे गए जिस राष्ट्रवाद शब्द का उल्लेख हम स्वयं भी अक्सर अपने राष्ट्र प्रेम से युक्त व्यवहार को लेकर अपने लिए करते रहते हैं, वह शब्द हमारी संस्कृति, संस्कारों और व्यवहार के अनुकूल नहीं। क्योंकि हम राष्ट्रवादी हैं ही नहीं, या तो हम राष्ट्रीय हैं अथवा फिर राष्ट्रप्रेमी। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जो लोग हमें दक्षिणपंथी अथवा दकियानूसी कहते हैं, वे वास्तव में वामपंथी और सेक्युलर वादी ही हैं। इनमें से कुछ वे लोग हैं जो सेक्यूलरवाद अथवा धर्मनिरपेक्षता वाद की आड़ में तुष्टीकरण की फूट डालो राज करो वाली नीति अपनाते रहते हैं। दूसरे वाले लोग हैं जिन्हें भारत और भारतीयता से कोई लेना-देना नहीं। इनकी निष्ठाएं भारत के बाहर स्थित हैं। इनके लिए देश भारत माता ना होकर केवल एक जमीन का टुकड़ा है, जहां रहकर यह लोग अपनी राजनैतिक हितों की पूर्ति में लगे रहते हैं। अपना उल्लू सीधा करने में जुटे इन विचारधाराओं के पोषक लोगों का नारा बहुजन सुखाय हो सकता है। लेकिन जो राष्ट्र प्रेमी हैं और देश को मातृभूमि के रूप में पूजते हैं, उन्होंने हमेशा सर्वजन सुखाय की नीति का पालन करने में ही संतुष्टि की अनुभूति पाई है।

आज के कार्टुन

जीवन के रूप

जग्गी वासुदेव

अभी हाल ही में, एक महिला मुझे बता रही थी कि कैसे वह कुछ खास ऊर्जा को महसूस कर पाती है और कैसे अलग अलग लोग, विभिन्न प्रकार के रूप और कई खास स्थान आप पर प्रभाव डालते हैं। प्राण-प्रतिष्ठा करने के लिए सबसे अच्छी सामग्री तो मनुष्य ही है क्योंकि इस धरती पर जीवन के जितने भी रूप हैं, उन सब में वही सर्वाधिक विकसित है। मनुष्य ही सबसे ज्यादा आसानी से प्राण-प्रतिष्ठित किया जा सकता है, लेकिन मनुष्यों के साथ समस्या यह है कि हर कुछ मिनटों में वे यू-टर्न ले लेते हैं। आप उन्हें अभी प्राण-प्रतिष्ठित कर सकते हैं पर कल सुबह वे कैसे होंगे, ये हमें नहीं मालूम। तो सबसे बड़ा मुद्दा खास तौर पर आज की दुनिया में ये है कि जो उन्हें आज दिया जा रहा है, क्या वे उसके साथ पूरी तरह से प्रतिबद्ध होंगे? इसी कारण हम अन्य रूपों को प्राण-प्रतिष्ठित करते हैं। आज, आधुनिक विज्ञान अब भी भौतिक वस्तुओं का ही अध्ययन कर रहा है। आप में जो भी भौतिक है, वह सब बाहर से इकट्ठा किया गया है। आप जिसे 'मेरा शरीर' कहते हैं वह तो इस धरती का बस एक टुकड़ा है। आप ने इसको उस भोजन से एकत्रित किया है, जो आप खाते आए हैं। आप में जो भी भौतिक है, उसे बस आपने बाहर से इकट्ठा किया है तो फिर वह आप तो नहीं हो सकते। आप क्या हैं? निश्चित रूप से भौतिकता से परे भी कोई आयाम है। आप अगर उसे अनदेखा करेंगे, तो कोई जीवन ही नहीं होगा। लेकिन अभी तो परिस्थिति ये है कि मानवीय तर्क बुद्धि, जो अपने आप को वैज्ञानिक मानती है, अभी उस स्तर पर है, जहां वह ये निष्कर्ष निकालती है कि जो उपकरणों से मापा न जा सके, उसका अस्तित्व ही नहीं है। इस तरह देखें तो अभी आप सबका कोई अस्तित्व नहीं है क्योंकि आप को मापा नहीं जा सकता। किसी बाध्यता के करण मुझे एक ऐसे संस्थान में जाना पड़ा। उन्होंने मेरे शरीर में 14 इलेक्ट्रोड्स लगाए और फिर कहा,'आप ध्यान कीजिए'। मैंने उत्तर दिया,'मैं नहीं जानता, ध्यान कैसे किया जाता है'। वे चौंके और बोले,'आप तो सब को ध्यान करना सिखाते हैं'। मैंने कहा,'मैं ऐसा इसलिए करता हूं क्योंकि वे स्थिर बैठना नहीं जानते। उनकी समस्या यह थी कि वे बस एक नाम और एक प्रक्रिया चाहते थे, जिसके परिणाम को वे नाप सकें।

सू-दोकू नवताल -2041

	1	6		4			7	
	4	5	8					3
		8		9	6	1		
8	3			5	4	2	6	7
	5	9		3		8	1	
4	6	7	2	1			5	9
		2	1	8		4		
1					5		9	
	9			2		5	8	

सू-दोकू -2040 का हल

8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2041

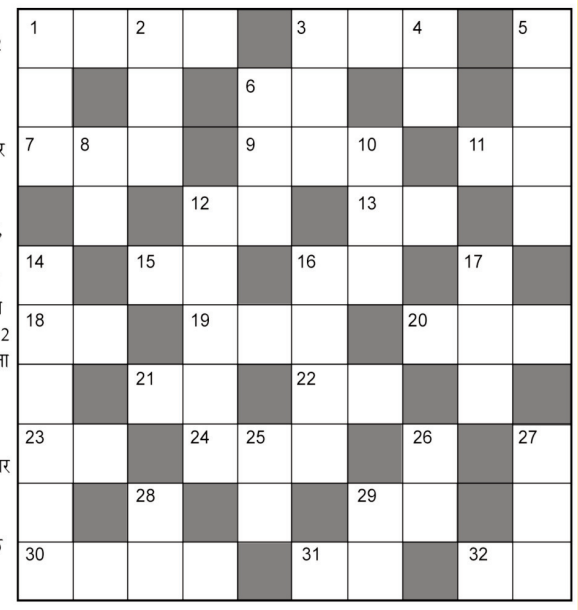

बायें से दायें:-

1. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
3. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-3
6. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
7. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-3
9. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-3
11. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-2
12. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-2
13. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-2
15. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-2
16. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
18. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-2
19. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-3
20. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-3
21. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-3
22. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-2
23. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-2
24. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-3
29. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-2
30. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे ?-4
31. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-2
32. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-3
2. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-3
3. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-3
4. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
5. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-4
6. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-3
8. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-2,3
14. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-2,4
16. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
17. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
27. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-3
28. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-2
29. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2040

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

मुकेश अंबानी को पछाड़कर गौतम अडानी बने एशिया के अमीरों के सरताज

बिजनेस डेस्क। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। के मुताबिक 59 साल के अडानी की नेटवर्थ 88.5 अरब डॉलर पहुंच चुकी है जबकि अंबानी की नेटवर्थ 87.9 अरब डॉलर है। फोर्ब्स की लिस्ट में अडानी पहले ही अंबानी से आगे निकल चुके थे। अडानी में दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दसवें नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं अंबानी इस लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। इस साल कमाई के मामले में अडानी सब पर भारी पड़े हैं। उनकी नेटवर्थ में 12 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है जबकि अंबानी की नेटवर्थ में 2.07 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अडानी ने कमोडिटी ट्रेडिंग बिजनस से कारोबार की दुनिया में कदम रखा था और आज उनका बिजनेस पोर्ट्स, माइन्स, ग्रीन एनर्जी समेत कई क्षेत्रों में फैला है। उनकी कुछ कंपनियों के शेयरों में पिछले दो साल में 600 फीसदी से अधिक उछाल आई है। पिछले तीन साल में देश के सात एयरपोर्ट्स का परिचालन उनके हाथ में आया है। उनका ग्रुप निजी क्षेत्र का देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट ऑपरेटर, पावर जेनरेटर और सिटी गैस रिटेलर है। 2020 की शुरुआत से अडानी ग्रीन और अडानी टोटल गैस के शेयरों में 1000 फीसदी से अधिक तेजी आई है। इस दौरान अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड में 730 फीसदी, अडानी ट्रांसमिशन में 500 फीसदी और अडानी पोर्टस में 95 फीसदी से अधिक तेजी आई है।

इस दौरान बेंचमार्क बीएसई इंडेक्स में 40 फीसदी तेजी आई है। सोमवार को भी भारी गिरावट के बावजूद अडानी ग्रीन और अडानी टोटल गैस के शेयरों में तेजी आई। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 4.37 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 85.0 अरब डॉलर रह गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 40.5 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 4.37 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 85.0 अरब डॉलर रह गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 40.5 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है।

इस लिस्ट में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 235 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। ऐमजॉन के जेफ बेजोस दूसरे, फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट तीसरे और माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स चौथे नंबर पर हैं।

भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के लिये प्रौद्योगिकी समाधान को लेकर 'पावरथॉन' की शुरुआत

नयी दिल्ली। सात फरवरी (भाषा) केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह ने सोमवार को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के लिये प्रौद्योगिकी आधारित समाधान तलाशने को लेकर 'पावरथॉन'-2022 नाम से कार्यक्रम (हैकाथॉन) की शुरुआत की। उन्होंने प्रौद्योगिकीविदों से मौजूदा समस्याओं के समाधान के साथ-साथ भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के लिये अपने विचार तथा समाधान पेश करने को कहा। बिजली मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री सिंह ने पावरथॉन-2022 शुरू किया। बिजली वितरण में जटिल समस्याओं के समाधान और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये प्रौद्योगिकी संचालित समाधान खोजने को लेकर आरडीएसएस (पुनर्निमित वितरण क्षेत्र योजना) के तहत एक 'हैकथॉन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बिजली क्षेत्र में इस कार्यक्रम की बहुत जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास एक स्थायी निकाय होगा और यह नवोन्मेषण खुली और सतत योजना होगी।'' आरईसी लिमिटेड ने एसआईएनई (सोसायटी फॉर इनोवेशन एंड आंट्रप्रीन्योरशिप), आईआईटी बंबई के सहयोग से पॉवरथॉन-2022 शुरू किये जाने घोषणा की। इस हैकाथॉन में प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता (टीएसपी), स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान, अनुसंधान संस्थान, उपकरण विनिर्माता, राज्य बिजली कंपनियां और अन्य राज्य तथा केंद्रीय बिजली क्षेत्र की इकाइयों को वितरण क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों/समस्याओं के बारे में बताया जाएगा। उन्हें जटिल समस्याओं को हल करने के लिये अपने प्रौद्योगिकी संचालित समाधानों को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

रिजर्व बैंक की तीन दिन की मौद्रिक नीति बैठक शुरू, 10 फरवरी को आएगा नतीजा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक मंगलवार को शुरू हुई। बैठक के नतीजों की घोषणा 10 फरवरी को होगी। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 2022-23 के आम बजट, मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं और तनावपूर्ण भू-राजनीतिक हालात के बीच अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए विचार-विमर्श कर रही है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक पहले बैठक सोमवार को शुरू होनी थी, लेकिन स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए महाराष्ट्र द्वारा सात फरवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने पर इसे एक दिन आगे बढ़ा दिया गया। आमतौर पर यह माना जा रहा है कि एमपीसी प्रमुख नीतिगत या रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करेगी। हालांकि, विशेषज्ञों की राय है कि केंद्रीय बैंक नीतिगत रुख को 'उदार' से 'तटस्थ' में बदल सकता है और नकदी की स्थिति को सामान्य बनाने के लिए रिवर्स रेपो दर में कुछ बदलाव किया जा सकता है। यदि रिजर्व बैंक बृहस्पतिवार को नीतिगत दर में यथास्थिति बनाए रखता है, तो यह लगातार दसवीं बार होगा, जब दर अपरिवर्तित रहेगी। पिछली बार 22 मई, 2020 को ब्याज दरों में कटौती कर नीतिगत दर को संशोधित किया था। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के अनुसार, एमपीसी नीतिगत दरों को मौजूदा स्तर पर कायम रख सकती है।

गोदरेज एंड बॉयस को 550 करोड़ रुपए से अधिक का ऑर्डर मिला

GODREJ & BOYCE

नई दिल्ली। गोदरेज एंड बॉयस को बिजली पारेषण व्यवसाय के लिए घरेलू संचरण और वितरण (टीएंडडी) बाजार में 550 करोड़ रुपए से अधिक का ऑर्डर मिला हैं। गोदरेज एंड बॉयस ने सोमवार को एक बयान में कहा, ''गोदरेज एंड बॉयस एमएफजी कंपनी लिमिटेड की बिजली बुनियादी ढांचे और नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय इकाई को बिजली पारेषण व्यवसाय में 550 करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर मिले हैं।'' बयान के अनुसार, कंपनी को मिले ऑर्डर में 400 किलोवॉट के नए एआईएस उपकेंद्र, 220 किलोवॉट के नए जीआईएस उपकेंद्र और 220 किलोवॉट की हस्तांतरण लाइन समेत 220 किलोवॉट की जमीन के नीचे बिछाने वाली केबल शामिल हैं। गोदरेज एंड बॉयस उद्योग मूल्य श्रृंखला में कुशल ऊर्जा प्रबंधन को चलाने के उद्देश्य से कई प्रकार के उपकरण, समाधान और सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है।गोदरेज एंड बॉयस उद्योग मूल्य श्रृंखला में कुशल ऊर्जा प्रबंधन को चलाने के उद्देश्य से कई प्रकार के उपकरण, समाधान और सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है।

नवीकरणीय ऊर्जा के लिये पूरा परिवेश विकसित कर सकते हैं भारत, आसियानः आर के सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत और आसियान साथ मिलकर नवीकरणीय ऊर्जा के लिये पूरा परिवेश विकसित कर सकते हैं तथा क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा विनिर्माण केंद्रों के निर्माण को लेकर संयुक्त पहल कर सकते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा पर आसियान-भारत उच्चस्तरीय सम्मलेन में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) अक्षय ऊर्जा के लिये एक पूर्ण परिवेश विकसित करने को एक साथ काम कर सकते हैं। यह परिवेश ऐसा हो जो जनानकारी साझा करे, क्षमता निर्माण और तकनीकी सहायता को बढ़ावा दे।

साथ ही इस क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण केंद्रों के विकास के लिए संयुक्त पहल का भी पता लगाए। नवीकरणीय ऊर्जा पर आसियान-भारत उच्चस्तरीय सम्मेलन का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने किया है। दो दिन का सम्मेलन सात फरवरी को शुरू हुआ। उच्चस्तरीय सम्मेलन में 'एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा बाजार के लिये अनुभव और नवोन्मेष' विषय पर जोर होगा। सिंह ने आसियान पावर ग्रिड के विकास को प्राप्त करने को लेकर संगठन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत 'एक सूर्य-एक दुनिया-एक ग्रिड' पहल के अनुरूप आसियान से परे भारतीय उपमहाद्वीप में इस ग्रिड एकीकरण का विस्तार करने के अवसरों को देख रहा है। मंत्री ने 2022 में जी-20 (विकसित एवं विकासशील देशों का संगठन) की अध्यक्षता को लेकर इंडोनेशिया को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक ऊर्जा बदलाव को सुगम बनाने के साथ इसमें तेजी लाने के लिये इंडोनेशिया की अध्यक्षता में साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने आसियान और भारत के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक मजबूत संबंध स्थापित सम्मेलन में शामिल मंत्रियों ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारत-आसियान सहयोग को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

रेनॉल्ट ने घरेलू बाजार में कुल आठ लाख इकाइयों की बिक्री का आंकड़ा हासिल किया

मुंबई। फ्रांस की वाहन विनिर्माता कंपनी रेनॉल्ट ने भारतीय बाजार में कुल आठ लाख इकाइयों की बिक्री का आंकड़ा हासिल कर लिया है। कंपनी ने अपनी उपस्थिति के एक दशक में बिक्री का यह आंकड़ा हासिल किया है। रेनॉल्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस महामारी और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बावजूद वर्ष 2021 कंपनी के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष साबित हुआ है। कंपनी ने कहा कि रेनॉल्ट ब्रांड की वैश्विक बिक्री में भारत का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। भारतीय बाजार कंपनी के शीर्ष पांच वैश्विक बाजारों में शामिल है। रेनॉल्ट इंडिया संचालन के देश में मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंधन निदेशक वेंकटराम मामिलपल्ले ने कहा, हम भारत में आठ लाख बिक्री का आंकड़ा पार कर बेहद खुश हैं। यह एक अभूतपूर्व यात्रा रही है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने भारत में एक मजबूत नींव स्थापित की है।

वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा कि पिछले साल की शुरुआत में घरेलू बाजार में पेश की गई एसयूवी किगर उसकी प्रमुख बिक्री वाली कारों में से एक के रूप में उभर रही है। वही क्विड ने हाल ही में चार लाख इकाई की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है और ट्राइबर को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

ट्राई प्रमुख ने 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी परामर्श पत्र को निर्णायक मोड़ करार दिया, खुली चर्चा शुरू

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई के अध्यक्ष पी डी वाघेला ने मंगलवार को 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी पर परामर्श पत्र को ''दूरसंचार के इतिहास में एक निर्णायक मोड़'' करार दिया, और इस पर खुली चर्चा के अंतिम चरण की शुरुआत की। इस चर्चा के आधार पर ही रेडियो तरंगों की कीमत जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। सरकार को उम्मीद है कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) मार्च तक 5जी स्पेक्ट्रम पर अपनी सिफारिशें दे देगा। निजी दूरसंचार प्रदाताओं द्वारा 2022-23 में 5जी मोबाइल सेवाओं की शुरुआत के लिए 2022 में स्पेक्ट्रम नीलामी की जानी है। एक तरफ जहां देश इस बड़ी नीलामी के लिए तैयार है, वहीं दूसरी तरफ उद्योग स्पेक्ट्रम की कीमत कम तय करने के लिए भरपूर पैरोकारी कर रहा है। वाघेला ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित खुली चर्चा के दौरान कहा,''यह परामर्श पत्र दूरसंचार के इतिहास में ऐतिहासिक है और हम इस तथ्य से अवगत हैं।' ''यह परामर्श पत्र दूरसंचार के इतिहास में ऐतिहासिक है और हम इस तथ्य से अवगत हैं।'' उन्होंने चर्चा में भाग लेने वाले हितधारकों से साक्ष्य और सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर अपने सुझाव देने का आग्रह किया।

जॉनसन एंड जॉनसन बेबी पाउडर पर पूरी दुनिया में लग सकता है बैन

बिजनेस डेस्क। ब्रिटेन की दिग्गज हेल्थकेयर कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी पाउडर की बिक्री पर पूरी दुनिया में प्रतिबंध लग सकता है। कंपनी पहले ही अमेरिका और कनाडा में इसकी बिक्री 2020 में बंद कर चुकी है। अमेरिकी रेग्युलेटर्स ने दावा किया था कि उन्हें कंपनी के बेबी पाउडर में कैंसर पैदा करने वाले तत्व मिले हैं । इस खुलासे के बाद कंपनी पर आफत बढ़ गई हैं। कंपनी के खिलाफ 34,000 से अधिक मामले चल रहे हैं। इनमें कई महिलाएं भी हैं जिनका दावा है कि उन्होंने कंपनी का बेबी पाउडर यूज किया और बाद में उन्हें ओवेरियन कैंसर हो गया। हालांकि जॉनसन एंड जॉनसन ने इस बात का खंडन किया है कि उसका बेबी पाउडर नुकसानदायक है। उसका कहना है कि उत्तरी अमेरिका में बिक्री में गिरावट के कारण उसने इसे वहां से हटाया था।

क्या है टैल्क

टैल्क दुनिया का सबसे सॉफ्ट मिनरल है और यह कई देशों में बनता है। पेपर, प्लास्टिक्स और फार्मास्यूटिकल्स सहित कई इंडस्ट्रीज में इसका व्यापक इस्तेमाल होता है। इसका इस्तेमाल नैपी रैश और दूसरी तरह के पर्सनल हाइजीन में होता है।

कई बार इसमें एसबस्टस मिला होता है जो शरीर में कैंसर पैदा कर सकता है। गार्डियन की एक खबर के मुताबिक दुनियाभर में इसकी बिक्री रोकने के लिए शेयरहोल्डर वोट की तैयारी की जा रही है। गार्डियन की एक खबर के मुताबिक दुनियाभर में इसकी बिक्री रोकने के लिए शेयरहोल्डर वोट की तैयारी की जा रही है। लंदन के निवेश प्लेटफॉर्म ने इसका प्रस्ताव दिया है।

यह प्रस्ताव अमेरिका की सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमेटी को भी भेजा गया है। उससे पूछा गया है कि कंपनी की अप्रैल में होने वाली सालाना मीटिंग से पहले ऐसा करना जायज है या नहीं।

अरबों डॉलर का मुआवजा

इस बीच कंपनी ने भी अमेरिकी रेग्युलेटर को पत्र लिखकर शेयरहोल्डर रिजॉल्यूशन को अवैध मानने का अनुरोध किया है। उसका कहना है कि इससे कंपनी के खिलाफ दुनियाभर में चल रहे मुकदमों पर असर पड़ेगा। जॉनसन एंड जॉनसन पहले ही दुनियाभर में अरबों डॉलर का मुआवजा दे चुकी है।

निजी क्षेत्र निवेश बढ़ाकर टीम इंडिया का हिस्सा बनेः सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को निजी क्षेत्र से 'टीम इंडिया' का हिस्सा बनने का आह्वान करते हुए कहा कि पूंजीगत व्यय बढ़ाने की सरकार की योजना की तर्ज पर निजी कंपनियों को भी अपना निवेश बढ़ाना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक व्यय बढ़ने के साथ निजी निवेश भी सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक व्यय बढ़ने के साथ निजी निवेश भी बढ़ने पर भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था का तमगा फिर से हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को 35 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ढांचागत क्षेत्र में सरकारी निवेश पर बल देने का नतीजा निजी निवेश को बढ़ाने के रूप में निकलेगा। सीतारमण ने पीएचडी चैंबर के बजट पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''मैं कहूंगी कि यह समय निजी निवेश करने, नई क्षमताओं के निर्माण के लिए उपयुक्त है। कॉरपोरेट कर में महामारी के पहले ही कटौती कर दी गई थी। मैं आपसे अनुरोध करुंगी कि इस मौके को जाने मत दीजिए।'' वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के दिग्गजों से अपना 'अधिकतम योगदान' देने का अनुरोध करते हुए कहा किउन्हें 'टीम इंडिया' का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के ऐसा करने से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्हें 'टीम इंडिया' का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के ऐसा करने से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर को लेकर विवादित पोस्ट, हुंडई इंडिया ने मांगी माफी

बिजनेस डेस्क। कश्मीर को लेकर हुंडई पाकिस्तान के अनॉफिशियल ट्विटर हैंडल से किए गए पोस्ट को लेकर पैदा हुए विवाद पर अब हुंडई इंडिया ने बयान जारी कर माफी मांग ली है। हुंडई इंडिया ने मंगलवार को अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से का स्टेटमेंट पोस्ट किया है। इस स्टेटमेंट में कहा गया है, बिजनेस पॉलिसी के तौर पर किसी भी खास क्षेत्र के राजनीतिक और सांप्रदायिक मुद्दों पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं करती है। पाकिस्तान के एक स्वतंत्र स्वामित्व वाले डिस्ट्रिब्यूटर ने अपने अकाउंट्स से कश्मीर से जुड़े अनधिकृत सोशल मीडिया पोस्ट किए, जो स्पष्ट तौर पर की पॉलिसी के खिलाफ है। इस पोस्ट में आगे कहा गया है, जब यह मुद्दा हमारे सामने आया तो हमने डिस्ट्रिब्यूटर को इस गलत एक्शन के बारे में उचित तरीके से बताया। हमने यह सुनिश्चित किया कि ब्रांड का दुरुपयोग करने वाला डिस्ट्रिब्यूटर सोशल मीडिया पोस्ट हटाए और भविष्य में इस तरह की चीज दोबारा ना हो, इसके लिए कदम उठाए गए। कंपनी ने कहा है, हमारी सब्सिडरी पाकिस्तान के इस डिस्ट्रिब्यूटर से जुड़ी हुई नहीं है और हम डिस्ट्रिब्यूटर के अनधिकृत व ऐसी सोशल मीडिया गतिविधियों को कड़े शब्दों में खारिज करते हैं, जिसका बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है। पछले कई दशक से भारत में निवेश करती रही है और भारतीय ग्राहकों के प्रति मजबूती से कमिटेड है। कंपनी ने कहा है, इस अनॉफिशियल सोशल मीडिया एक्टिविटी की वजह से भारत के लोगों की भावनाओं को अगर किसी तरह की चोट पहुंची है, तो हम इसके लिए गहरा खेद व्यक्त करते हैं।

सेबी सारदा रियल्टी की सात संपत्तियों की 22 फरवरी को नीलामी करेगा

नयी दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी सारदा रियल्टी इंडिया लि. और उसके प्रवर्तकों तथा निदेशकों की सात संपत्तियों की 22 फरवरी को नीलामी करेगा। कंपनी द्वारा गलत तरीके से लोगों से जुटायी गयी राशि की वसूली को लेकर यह नीलामी की जा रही है। नीलामी को लेकर आरक्षित मूल्य 59 लाख रुपये से अधिक रखा गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक सार्वजनिक नोटिस में कहा कि नीलामी में रखी जाने वाली संपत्तियों में पश्चिम बंगाल में जमीन भी शामिल है। सेबी ने सारदा रियल्टी और उसके प्रवर्तकों/निदेशकों से गलत तरीके से जुटायी गयी राशि की वसूली कार्यवाही के तहत बोलियां आमंत्रित की है। ई- नीलामी 22 फरवरी, 2022 को होगी। इन संपत्तियों के लिये आरक्षित मूल्य 59.4 लाख रुपये रखा गया है। नियामक ने संपत्ति की नीलामी में सहायता को लेकर क्विकर रियल्टी की सेवा ली है। सेबी ने कहा कि बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले नीलामी में रखी गई संपत्तियों पर कानूनी विवाद, देनदारी सहित सभी चीजों के बारे में स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। इससे पहले नियामक ने अप्रैल, 2013 में अपने आदेश के जरिये सारदा रियल्टी, उसके प्रवर्तकों और निदेशकों से सामूहिक निवेश वाली सभी योजनाओं (सीआईएस) को बंद करने और निवेशकों से ली गयी राशि तीन महीने में वापस करने को कहा था। कंपनी ने कोष जुटाने को लेकर लोगों से सीआईएस के माध्यम से निवेश अनुबंधों के जरिये राशि जुटायी थी और उसने इसके लिये सेबी से कोई मंजूरी नहीं ली थी।

तांबे की वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । घरेलू बाजारों के कमजोर रुख के बीच मंगलवार को तांबे का वायदा भाव 0.45 प्रतिशत के नुकसान से 751.15 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में तांबे का फरवरी डिलिवरी का अनुबंध 3.40 रुपये या 0.45 प्रतिशत के नुकसान के साथ 751.15 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। इसमें 3,763 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग से तांबे की वायदा कीमतों में गिरावट आई।

कमजोर मांग से कच्चे तेल की वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से मंगलवार को कच्चे तेल का वायदा भाव 31 रुपये टूटकर 6,769 रुपये प्रति बैरल रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का फरवरी अनुबंध 31 रुपये या 0.46 प्रतिशत के नुकसान से 6,769 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। इसमें 11,035 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से कच्चे तेल की वायदा कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रड 0.83 प्रतिशत के नुकसान से 90.56 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रड 0.83 प्रतिशत के नुकसान से 90.56 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

ग्रामोफोन की छह से आठ महीनों में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी करने की योजना

मुंबई। कृषि प्रौद्योगिकी कंपनी ग्रामोफोन बढ़ती मांग के बल पर अगले छह से आठ महीनों में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी करने की योजना बना रही है। ग्रामोफोन ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कंपनी में मौजूदा कर्मचारियों की संख्या 450 से अधिक है। हम अगले छह से आठ महीनों में प्रौद्योगिकी, उत्पाद, संचालन और विपणन में 300 से अधिक पेशेवरों को जोड़ने की योजना बना रहे है। ग्रामोफोन के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी तौसीफ खान ने कहा, ''एक सफल पूरी तरह से कृषि प्रौद्योगिकी व्यवसाय के निर्माण के लिए तकनीक के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के साथ-साथ डेटा विज्ञान की एक परत की आवश्यकता होती है।''' उन्होंने कहा कि भारी मांग को देखते हुए कंपनी अपनी विस्तार योजनाओं को देख रही है और हम अपनी तकनीक, उत्पाद और उन्होंने कहा कि भारी मांग को देखते हुए कंपनी अपनी विस्तार योजनाओं को देख रही है और हम अपनी तकनीक, उत्पाद और मार्केटिंग टीमों में शीर्ष प्रतिभाओं को नियुक्त करना चाहते हैं।

भारत-पाक टी20 विश्वकप मैच को लेकर बेकाबू हुए फैंस, चंद मिनटों में बिक गए सभी टिकट

मेलबर्न । आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 के लिए उत्साह बढ़ रहा है। जैसे ही आईसीसी ने भारत-पाक मैच के टिकटों की बिक्री शुरू की। फैंस इस महामुकाबले की टिकट लेने के लिए बेकाबू हो उठे। भारत और पाक के मैच के लिए मात्र 5 मिनट में ही सभी टिकटें बिक गई। इस साल 16 अक्टूबर से लेकर 13 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्वकप का आयोजन होना है। विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से एक को देखने की मांग ऐसी थी कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए आवंटन बिक्री के पांच मिनट के अंदर ही सभी टिकट बेच दिए गए। ऑस्ट्रेलिया पहली बार टी20 विश्वकप की मेजबानी कर रहा है और इस विश्वकप को देखने के लिए 8 लाख से ज्यादा लोगों की उम्मीद की जा रही है। आईसीसी टी20 विश्वकप 2022 स्थानीय आयोजन समिति के सीईओ मिशेल एनराइट ने कहा कि प्रशंसकों की प्रतिक्रिया शानदार रही है और हमें इस पर गर्व है कि हम अपने प्रशंसकों को पुरस्कृत करने में सक्षम रहे। जिन्होंने 2020 में स्थगित कार्यक्रम के लिए टिकट खरीदे। टी20 विश्वकप 2022 ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से लेकर 13 नवंबर के बीच आयोजित किया जाना ह। इस विश्वकप से सभी मैच ऑस्ट्रेलिया के 7 मैदानों पर खेले जाएंगे। ये मैदान मेलबर्न, सिडनी, ब्रिस्बेन, एडिलेड, जिलॉन्ग, होबार्ट और पर्थ में खेला जाएगा।

शतरंज

फीडे ग्रां प्री शतरंज 2022 - विदित की शानदार वापसी रूस के डुबोव को हराया

बर्लिन,जर्मनी ।

फीडे ग्रां प्री सीरीज के पहले पड़ाव बर्लिन ग्रां प्री मे भारत के विदित गुजराती नें अपनी खराब शुरुआत से उबरते हुए पूर्व विश्व रैपिड चैम्पियन रूस के डेनियल डुबोव को हराकर वापसी की है । एक माह के अंदर यह दूसरा मौका है जब विदित नें डुबोव को पराजित किया है । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए विदित नें गुन्फ़ील्ड ओपनिंग मे डुबोव को 44 चालों में हार मानने पर विवश कर दिया । इस जीत से विदित 1.5 अंक बनाकर पूल सी में दूसरे स्थान पर पहुँच गए है हालांकि यूएसए के लेवोन अरोनियन नें जर्मनी के विन्सेंट केमर को मात देते हुए 2.5 अंक बनाकर पूल मे पहला स्थान बनाए रखा है अब अगले राउंड में विदित सफ़ेद मोहरो से अरोनियन से मुक़ाबला खेलेंगे । पूल डी मे भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें तीसरे राउंड में यूएसए के लिनियर दोमिंगेज से ड्रॉ खेला तो यूएसए के वेसली सो नें स्पेन के अलेक्सी शिरोव को मात देकर दोमिंगेज के साथ 2 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त बना ली है । पूल ए में रूस के आन्द्रे इसीपेंकों नें फ्रांस के एटीने बकरोट को पराजित किया तो यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक से ड्रॉ खेलते हुए 2 अंक बनाकर एकल बढ़त बनाई हुई है ।पूल बी में रूस के ओपरिन गृगोरिय नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से तो रूस के ब्लादिमीर फेडोसीव नें पोलैंड के वोइटसजेक रडास्लाव से ड्रॉ खेला और फिलहाल वोइटसजेक 2 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है । सभी पूल के विजेता खिलाड़ी सीधे सेमी फाइनल मे खेलेंगे ।

अफगानिस्तान अंडर-19 टीम के चार सदस्यों ने ब्रिटेन में रुकने का किया फैसला

लंदन ।

एंटीगुआ में आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के समापन के बाद ब्रिटेन पहुंची अफगानिस्तान अंडर-19 टीम के चार सदस्यों ने अपने साथियों के साथ अपने देश वापस जाने के बजाय ब्रिटेन में रहने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि करते हुए बताया गया है कि उनका ट्रांजिट वीजा आठ फरवरी को समाप्त होने वाला है और ब्रिटेन सरकार के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति ट्रांजिट वीजा पर 48 घंटे से अधिक समय तक देश में नहीं रह सकता है। हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि चारों सदस्यों, जिसमें एक खिलाड़ी भी शामिल है, ब्रिटेन में शरण मांग रहे हैं या नहीं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भी इस मामले में अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन अफगानिस्तान के पूर्व खिलाड़ी रईस अहमदजई, जो अंडर-19 विश्व कप के दौरान टीम के मुख्य कोच थे, ने कहा है कि चारों सदस्यों को उनके संदेश मिले हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। रईस ने एक बयान में कहा, 'मैंने उनसे कहा है कि अफगानिस्तान को उनकी जरूरत है। खेल और क्रिकेट ने अफगानिस्तान के लिए बहुत कुछ किया है। विश्व कप के दौरान हमें जो समर्थन मिला वह अद्भुत, अविश्वसनीय था। कभी-कभी जब आप अपने देश के लिए कुछ करते हैं तो यह आपके पूरे जीवन में आपके लिए बहुत मायने रखता है।

रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान अंडर-19 टीम रविवार को एंटीगुआ से लंदन पहुंची थी और फिर काबुल के लिए यूएई से होते हुए जाने वाली फ्लाइट ली। कोचिंग और सपोट 'स्टाफ सहित अफगानिस्तान की पूरी टीम उस उड़ान में सवार हुई, जबकि चार सदस्यों ने लंदन के हीथ्रो में रुकने का फैसला किया।

इस खिलाड़ी को मिलेगी भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी, श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से पहले होगी घोषणा

स्पोर्ट्स डेस्क । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 2-1 से हार के बाद विराट कोहली ने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी और मौजूदा समय में वह किसी भी प्रारूप में कप्तान नहीं है। कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद से ही लगातार रोहित शर्मा को कप्तान बनाए जाने की खबरें सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला से पहले रोहित को भारत का टेस्ट कप्तान बनाया जाना तय है। श्रीलंकाई टीम 24 फरवरी से शुरू होने वाले दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों के लिए इस महीने के अंत में भारत का दौरा करने वाली है। रोहित इस साल अप्रैल में 35 साल के हो जाएंगे और उन्हें चोट लगने का खतरा है। इसलिए, कई विशेषज्ञ मानते हैं कि चयनकर्ताओं को महत्वपूर्ण भूमिका के लिए किसी और को देखना चाहिए। हालांकि एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी सलामी बल्लेबाज भारत का ऑल-फॉर्मेट कप्तान बनने के लिए तैयार है। पता चला है कि चयन समिति की बैठक की तिथि तय नहीं हुई है। हालांकि जब भी चयनकर्ता मिलते हैं तो वे रोहित को ही बागडोर सौंपने की सबसे अधिक संभावना रखते हैं। इस बीच यह भी बताया गया है कि श्रीलंका श्रृंखला के लिए शुरू में नियोजित कार्यक्रम को बदल दिया गया है। इस दौरे की शुरुआत अब 24 फरवरी को लखनऊ में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी। दूसरा और तीसरा टी20 इंटरनेशनल मैच 26 और 27 फरवरी को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होगा। इसके बाद टेस्ट मैच होंगे। मोहाली में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) स्टेडियम पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर 400 मिलियन फॉलोअर्स पाने वाले पहले सेलिब्रिटी बने

खेल डैस्क ।

महान फुटबॉलरों में से एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक और बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। उनके इंस्टाग्राम पर 400 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। यह रिकॉर्ड बनाने वाले वह पहले व्यक्ति हैं। पुर्तगाली स्टार ने कुछ दिन पहले ही अपना 37वां जन्मदिन मनाया था। आइए जानते हैं। फुटबॉल खेलने पर रोनाल्डो ने कहा कि शारीरिक रूप से मुझे ऐसा लगता है कि अभी मैं 30 साल का हूं। मैं अपने शरीर और दिमाग का बहुत ख्याल रखता हूं। ` फुटबॉल खेलने पर रोनाल्डो ने कहा कि शारीरिक रूप से मुझे ऐसा लगता है कि अभी मैं 30 साल का हूं। मैं अपने शरीर और दिमाग का बहुत ख्याल रखता हूं। मैंने हाल ही में जो कुछ सीखा है वह यह है कि 33 के बाद आपको सबसे ज्यादा आवश्यकता शरीर की बजाय मानसिक तौर पर लडऩी पड़ती है। मैं यह पता लगाना चाहता हूं कि क्या मैं 40, 41, या 42 की उम्र तक खेलने जा रहा हूं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं अपनी दिनचर्या का पूरा आनंद लेना चाहता हूं। रोनाल्डो बीते करीब पांच सालों से कीन डांस जॉर्जिना रोड्रिग्ज के साथ रहते हैं। जॉर्जिना अभी प्रेग्नेंट है। उम्मीद है वह इसी साल जुड़वां बच्चों को जन्म देगी। जॉर्जिना अपनी खूबसूरत बॉडी को लेकर चर्चा में रहती है। पहली बार वह रोनाल्डो को गुच्ची के शो रूम में मिली थी जहां वह बतौर सेल्स गर्ल के तौर पर काम करती थी। रोनाल्डो की

नजर उनपर पड़ी इसके बाद दोनों मिलने लगे। रोनाल्डो और जॉर्जिना का एक बच्चा भी है। वहीं, रोनाल्डो की बात की जाए तो उनके अभी 4 बच्चे हैं। रोनाल्डो के बर्थडे पर बीते दिनों ही जॉर्जिना ने बच्चों के साथ मिलकर रोनाल्डो लग्जरी कार गिफ्ट की थी। रोनाल्डो भी अक्सर जॉर्जिना को महंगे से महंगा गिफ्त देते रहे हैं। बीते दिनों जॉर्जिना की जिंदगी पर बनी डॉक्यूमेंटी उनके जन्मदिन पर रिलीज हुई थी। जिंदगी पर बनी डॉक्यूमेंटी उनके जन्मदिन पर रिलीज हुई थी। इस दौरान रोनाल्डो जॉर्जिना को लेकर दुबई गए थे जहां बुर्ज खलीफा बिल्डिंग में स्पैशल लेजर शो चलाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप की सफल मेजबनी के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को सराहा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कैरेबियन में पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप की सफल मेजबानी के लिए क्रिकेट वेस्ट इंडीज (सीडब्ल्यूआई) की सराहना की है। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि हम आईसीसी पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2022 की सफल मेजबानी से खुश हैं। एक वैश्विक महामारी के दौरान चार देशों में 16 टीमों की मेजबानी करना बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हमारे मेजबानों ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक उत्कृष्ट काम किया कि हम खेल के भविष्य के स्टार खिलाड़ियों को विश्व कप में खेलने का मौका दे सकें। हम क्रिकेट वेस्ट इंडीज, चार मेजबान देशों, खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं। वहीं भारत को विश्व कप जीतने के लिए बधाई, जो उसकी पूरी तरह से योग्य उपलब्धि थी। उल्लेखनीय है कि चार मेजबान देशों गुयाना, सेंट किट्स एंड नेविस, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और एंटीगुआ एंड बारबुडा में अंडर-19 विश्व कप 14 जनवरी से पांच फरवरी तक आयोजित हुआ, जिसमें 16 टीमों ने भाग लिया। भारत ने रिकॉर्ड पांचवीं बार अंडर-19 विश्व कप खिताब जीता।

राष्ट्रमंडल खेलों की तारगोला फेंक स्पर्धा में भारत के इकलौते पदक विजेता थे 'भीम प्रवीण सोबती

नई दिल्ली । महाभारत में 'भीम का किरदार निभाकर उन्हें काफी लोकप्रियता मिली लेकिन उससे पहले प्रवीण कुमार सोबती एक शानदार खिलाड़ी थे और राष्ट्रमंडल खेलों की तारगोला फेंक (हैमर थ्रो) स्पर्धा में भारत के पहले और इकलौते पदक विजेता थे। 74 वर्ष के सोबती का सोमवार की शाम दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। इसके बाद से मनोरंजन से लेकर खेल जगत तक हर वर्ग से उनके लिये श्रृद्धांजलि दी जा रही है। पंजाब के सरहाली कलां गांव के रहने वाले सोबती बीएसएफ के पूर्व जवान थे। उन्होंने भारत के लिए एशियाई खेलों में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीते थे। 60 और 70 के दशक में चक्काफेंक और तारगोला फेंक में उन्होंने कई पदक जीते जिसमें एशियाई खेलों के तीन और राष्ट्रमंडल खेल का एक पदक शामिल है। उन्होंने 1968 मैक्सिको और 1972 म्युनिख ओलंपिक में भी भाग लिया जिसमें इस्राइली खिलाड़ियों की फलस्तीन के एक आतंकी समूह ने हत्या की थी। सोबती ने चक्का फेंक में 1966 और 1970 एशियाई खेलों में पदक जीता और 1966 में तारगोला फेंक में कांस्य और उसी साल राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। उन्होंने 1974 एशियाई खेलों में चक्का फेंक में भी रजत पदक जीता था। राष्ट्रमंडल खेलों की तारगोला फेंक स्पर्धा में उनका रजत किसी भारतीय का इकलौता पदक है। खेलों के अपने सफर के बाद उन्होंने मनोरंजन जगत में दूसरी पारी की शुरूआत की।

रणजी ट्रॉफी खेलेंगे चेतेश्वर पुजारा, सौराष्ट्र की टीम में शामिल

राजकोट ।

बड़ी पारी खेलने का इंतजार कर रहे अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को 10 फरवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मंगलवार को सौराष्ट्र की टीम में जगह दी गई। सौराष्ट्र क्रि केट संघ ने 21 सदस्यीय टीम की घोषणा की है जिसमें पुजारा को शामिल किया गया है। सौराष्ट्र को एलीट ग्रुप डी में रखा गया है और टीम अपने लीग मुकाबले अहमदाबाद में खेलेगी। ग्रुप डी में सौराष्ट्र के साथ 41 बार के रणजी चैंपियन मुंबई, ओडिशा और गोवा को रखा गया है। चयनकर्ताओं ने उम्मीद के मुताबिक अनुभवी पुजारा को टीम में जगह दी है। टीम की कमान बाएं हाथ के अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को सौंपी गई है। टीम फिलहाल यहां एससीए स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रही है। आईपीएल में प्रभावित करने वाले तेज गेंदबाज चेतन सकारिया को भी टीम में शामिल किया गया है। कोविड-19 महामारी के कारण पिछले साल रणजी ट्रॉफी का आयोजन नहीं हो पाया था। इस साल भी टूर्नामेंट की शुरुआत 13 जनवरी से होनी थी लेकिन देश भर में कोरोना वायरस की तीसरी लहर भर में कोरोना वायरस की तीसरी लहर के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। टूर्नामेंट का आयोजन अब दो चरण में होगा। पहला चरण देश भर के आयोजन स्थलों पर गुरुवार से शुरू होकर 15 मार्च तक खलेगी। इस शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता को आईपीएल के दौरान ब्रेक दिया जाएगा और दूसरा चरण 30 मई से 26 जून तक खेला जाएगा। टीम इस प्रकार है - जयदेव उनादकट (कप्तान), चेतेश्वर पुजारा, शेल्डन जैकसन, अर्पित वसावदा, चिराग जानी, कमलेश मकवाना, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चेतन सकारिया, प्रेरक मांकड़, विश्वराजसिंह जडेजा, हार्विक देसाई, केविन जीवराजानी, कुशांग पटेल, जय चौहान, समर्थ व्यास, पार्थकुमार भुट, युवराजसिंह चूडासामा, देवांग करामता, स्नेल पटेल, किशन परमार और आदित्य जडेजा।

बेबी एबी डिविलियर्स, पीटरसन और हुसैन आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की रेस में

दुबई ।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कीगन पीटरसन और अंडर 19 विश्व कप के रिकॉर्ड तोड़ने वाले सितारे डेवाल्ड ब्रेविस के साथ बांग्लादेश के इबादत हुसैन को जनवरी में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का नामांकन मिला है। पीटरसन को भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। पीटरसन ने भारत के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 244 रन बनाए। वहीं ब्रेविस ने वेस्टइंडीज में अंडर 19 विश्व कप में दो शतक और तीन अर्धशतक लगाए। वह प्लेयर आफ द

टूर्नामेंट भी चुने गए। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हुसैन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में दो टेस्ट खेले और 9 विकेट लिए। उन्होंने पहले टेस्ट में 46 रन देकर 6 विकेट लिए जिसकी मदद से बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड में पहली बार टेस्ट जीता। उन्होंने पहले टेस्ट में 46 रन देकर 6 विकेट लिए जिसकी मदद से बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड में पहली बार टेस्ट जीता। महिला क्रिकेटरों में श्रीलंका की चामारी अटापट्टू, वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन और इंग्लैंड की हीथर नाइट को नामांकन मिला है।

विराट कोहली इस मैदान पर खेलेंगे अपना 100वां टेस्ट

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का 100वां टेस्ट पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) स्टेडियम मोहाली में खेला जाएगा। इससे पहले यह टेस्ट बेंगलुरु में खेलने की योजना बनाई गई थी। स्थानीय आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ 14 साल के जुड़ाव के कारण चिन्नास्वामी स्टेडियम कोहली के लिए घरेलू मैदान रहा है। जानकारी के अनुसार श्रीलंका के खिलाफ पहले से घोषित सीरीज को उलटे क्रम में खेला जा सकता है। सीरीज में दो टेस्ट और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय शामिल हैं। श्रीलंका अपने भारतीय दौरे का आगाज लखनऊ में ट्वेंटी-20 मैच के साथ करेगा। इससे पहले दौरे की शुरुआत टेस्ट के साथ होने वाली थी। इससे पहले दौरे की शुरुआत टेस्ट के साथ होने वाली थी। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) 24 फरवरी को पहले टी20 की मेजबानी करेगा। उसके बाद दूसरा और तीसरा टी-20 मैच 26 और 27 फरवरी को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) स्टेडियम में खेला जाएगा। यूपीसीए और एचपीसीए दोनों के अधिकारियों ने कार्यक्रम की पुष्टि की है।

हमने पहले वनडे में जिस तरह बल्लेबाजी की वह परफेक्ट था : सूर्यकुमार

अहमदाबाद ।

सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को संकेत दिया कि भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए काफी जज्बा दिखाया और टीम भविष्य में इसी तरह की बल्लेबाजी करना जारी रखेगी। भारत ने लक्ष्य को सिर्फ 28 ओवर में हासिल कर लिया। सूर्यकुमार का साथ ही मानना है कि पहले बल्लेबाजी करना टीम के लिए बड़ी चुनौती नहीं है। सूर्यकुमार ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'ऐसा नहीं है, मुझे लगता है कि हमने चीजों को काफी सामान्य रखा। हम उसी तरह बल्लेबाजी जारी रखेंगे जैसे पिछले मैच में की, बस बात इतनी सी है कि जब हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो हमें मजबूत स्कोर बनाने के लिए अंत तक बल्लेबाजी करने का प्रयास करने की जरूरत है लेकिन मुझे लगता है कि पिछले मैच में हमने दूसरी पारी में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह परफेक्ट था। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने अच्छी गति से रन बनाए, जज्बा और इरादा भी काफी अच्छा था इसलिए बदलाव की कोई जरूरत नहीं है, मेरे कहने का मतलब है कि आपको सुरक्षित रहते हुए अपना खेल दिखाने की जरूरत है। टी20 और एकदिवसीय प्रारूप में सूर्यकुमार ने तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी की है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने कहा, 'यह (पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना) काफी अलग नहीं है, मैं सभी क्रम पर बल्लेबाजी करता रहा हूं और इसे लेकर लचीला हूं, इसलिए जहां टीम प्रबंधन फैसला करता है और चाहता है कि मैं बल्लेबाजी करूं मैं वहां बल्लेबाजी के लिए तैयार हूं। सूर्यकुमार ने कहा कि टीम ने सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और वे इस प्रदर्शन को जारी रखने का प्रयास करेंगे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि वह घर में भी काफी नेट सत्र में हिस्सा लेते हैं। कई तरह के शॉट खेलने की अपनी क्षमता पर सूर्यकुमार ने कहा, 'यह सब अभ्यास से आता है, मेरे कहने का मतलब है कि यह इतना मुश्किल नहीं है, मुझे पता है कि मुझे कुछ शॉट पर काम करना होगा, जिससे कि मैं रन बना सकूं। इसलिए मैं इस पर ध्यान लगा रहा हूं और धीरे-धीरे नेट पर इस पर काम कर रहा हूं, घर में भी मैं मैच जैसी स्थिति में अभ्यास करता हूं और अभ्यास के साथ ये (शॉट) अपने आप आ जाते हैं। पहले मैच से बाहर रहने के बाद लोकेश राहुल की टीम में वापसी पर टीम संयोजन के बारे में सूर्यकुमार ने कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'आप गलत व्यक्ति से सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने (राहुल और मयंक अग्रवाल) ट्रेनिंग की और मुझे यकीन है कि पृथकवास पूरा करने के बाद वे टीम में वापसी करेंगे, इससे हमारी टीम मजबूत होगी और अंत में फैसला टीम प्रबंधन को करना है कि कौन खेलेगा और कौन नहीं, लेकिन उनकी वापसी से खुश हूं।

सूर्यकुमार ने कहा कि वह गेंदबाजी से भी योगदान देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'हां (मैं गेंद से योगदान दे सकता हूं), जब भी मुझे मौका मिलेगा, मैं गेंदबाजी करूंगा और मैं नेट पर नियमित रूप से गेंदबाजी करता हूं जब भी उन्हें (टीम प्रबंधन) लगता है वे मेरा इस्तेमाल कर सकते हैं, मैं हमेशा उपलब्ध हूं। सूर्यकुमार ने कहा कि उन्हें तुलना करना पसंद नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे सूर्यकुमार यादव ही रहने दीजिए... बड़ी मुश्किल से मैंने भारत के लिए पांच-सात मैच खेले हैं लेकिन हां मैं प्रयास कर रहा हूं, जिस भी क्रम पर मुझे बल्लेबाजी का मौका मिलता है, मेरा लक्ष्य किसी भी स्थिति में टीम को जीत दिलाना होगा।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

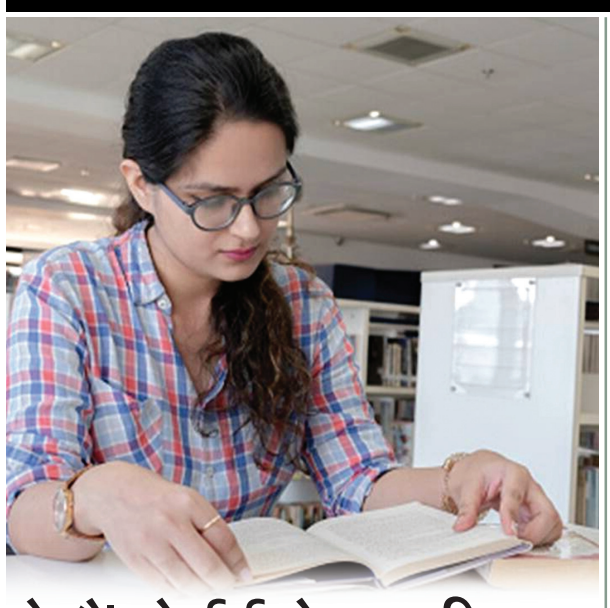

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

सार समाचार

कश्मीर संबंधी पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर नाराजगी के बाद केएफसी ने मांगी माफी

नयी दिल्ली । त्वरित सेवा रेस्तरां (क्यूआरएस) शृंखला केएफसी ने सोशल मीडिया पर कश्मीर संबंधी पोस्ट को लेकर लोगों की नाराजगी के बाद सोमवार को माफी मांगी। सोशल मीडिया पर कंपनी की पाकिस्तान स्थित फ्रेंचाइजी की पोस्ट में कश्मीर के अलगाववादियों का समर्थन किया गया है। ट्विटर पर

केएफसी इंडिया के आधिकारिक अकाउंट से जारी संदेश में कहा गया, 'हम उस पोस्ट के लिए दिल से माफी मांगते हैं, जिसे देश के बाहर से केएफसी के कुछ सोशल मीडिया चैनल पर प्रकाशित किया गया। हम भारत का सम्मान करते हैं और सभी भारतीयों की गर्व के साथ सेवा करने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध हैं।' इससे पहले, सोशल मीडिया पर केएफसी के सत्यापित अकाउंट से एक पोस्ट किया गया था जिसमें कश्मीर के अलगाववादियों का समर्थन किया गया था।पोस्ट में लिखा था 'कश्मीर कश्मीरियों का है।' केएफसी अमेरिका स्थित कंपनी यम की सहायक कंपनी है। यम के पास पिज्जा हट और टैको बेल जैसे लोकप्रिय क्यूएसआर ब्रांड भी हैं। केएफसी ने जून 1995 में बेंगलुरु में एक रेस्तरां खोलकर आधिकारिक तौर पर भारतीय बाजार में प्रवेश किया था। अब यह अपने फ्रैंचाइजी भागीदारों के माध्यम से भारत में 450 से अधिक रेस्तरां का संचालन करता है।

इमरान खान के इस महीने के अंत में रूस की पहली यात्रा पर जाने की उम्मीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के इस महीने के अंत में रूस की महत्वपूर्ण यात्रा पर जाने की उम्मीद है, जो दो दशकों में किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की पहली मॉस्को यात्रा होगी। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया कि खान के 23 से 26 फरवरी के बीच रूस जाने की उम्मीद है। उनकी रूस की यात्रा चीन की उनकी यात्रा के बाद होने की उम्मीद है, जहां उन्होंने बीजिंग ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित शीर्ष चीनी नेतृत्व के साथ बातचीत की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस समारोह में शामिल हुए थे। चीन के शिनजियांग प्रांत में बीजिंग की कथित मानवाधिकार नीतियों को लेकर अमेरिका, यूरोपीय संघ और कई पश्चिमी देशों द्वारा इस कार्यक्रम का राजनयिक बहिष्कार किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने खान की रूस की यात्रा संबंधी खबर की पुष्टि करने से परहेज करते हुए कहा कि इसके लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क किया जाना चाहिए। खान की रूस यात्रा को पश्चिम के लिए एक स्पष्ट संकेत माना जा रहा है, खासकर तब जब उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के बाद पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने देने के मुद्दे पर अमेरिका को स्पष्ट रूप से मना कर दिया और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जनवरी 2021 में पदभार ग्रहण करने के बाद से खान को फोन तक नहीं किया। इस बीच, राजनयिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि तारीखों को अंतिम रूप दे दिया गया है और अगर आखिरी मिनट में कोई बदलाव नहीं होता है तो खान तथा राष्ट्रपति पुतिन फरवरी के आखिरी सप्ताह में मिलेंगे।

संयुक्त राष्ट्रः उत्तर कोरिया ने साइबर हमलों से करोड़ों रुपये चुराए

संयुक्त राष्ट्र। उत्तर कोरिया वित्तीय संस्थानों और क्रिप्टोकरेंसी कम्पनी एवं विनिमय से करोड़ों डॉलर की चोरी कर रहा है और यह अवैध धन उसके परमाणु तथा मिसाइल कार्यक्रमों के लिए धन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने साइबर विशेषज्ञों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। विशेषज्ञों की समिति ने कहा कि एक सरकार के अनुसार, उत्तर कोरियाई के ह्यसाइबर क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों ने 2020 और मध्य 2021 के बीच उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में कम से कम तीन क्रिप्टोकरेंसी विनिमय से पांच करोड़ डॉलर से अधिक की चोरी की, जो संभवतः इसके साइबर अपराधों की विविधता को दर्शाता है।' द एसोसिएटेड प्रेस' द्वारा रविवार को प्राप्त की गई साइबर गतिविधियों से जुड़ी रिपोर्ट के खंड में विशेषज्ञों ने कहा कि एक अज्ञात साइबर सुरक्षा कम्पनी ने बताया कि 2021 में उत्तर कोरिया के 'साइबर क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों ने क्रिप्टोकरेंसी विनिमय एवं निवेश कम्पनियों में सात घुसपैठ के माध्यम से कुल 40 करोड़ डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चुरा ली।' समिति ने बताया कि इन साइबर हमलों में 'फि शिंग, कोड दुरुपयोग, मैलवेयर और उन्नत 'सोशल इंजीनियरिंग' का उपयोग किया गया।' उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों की निगरानी करने वाले विशेषज्ञों की समिति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में कहा कि उत्तर कोरिया के साइबर क्षेत्र में सक्रिय आसामजिक तत्वों द्वारा चुराए गए क्रिप्टोकरेंसी कोष को 'धन शोधन प्रक्रिया' से गुजारने के बाद उसका इस्तेमाल किया जाता है। समिति ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ाते हुए अपने परमाणु हथियारों तथा बैलिस्टिक मिसाइलों का आधुनिकीकरण किया। अपने कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए साइबर हमले का इस्तेमाल किया और अपने शस्त्रागार के लिए ईरान सहित विदेशों में सामग्री एवं प्रौद्योगिकी हासिल करने की कोशिश की।

शीतकालीन ओलंपिक में गलवान घाटी के सैनिक को मशाल वाहक बनाना मानदंडों को पूरा करता है: चीन

बीजिंग। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में जून 2020 में सीमा झड़प में शामिल पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सैनिक को शीतकालीन ओलंपिक के लिए एक मशाल वाहक के तौर पर उतारने के अपने कदम की व्यापक आलोचना के बीच चीन ने सोमवार को कहा कि उसका चयन 'मानदंडों' को पूरा करता है। साथ ही, चीन ने संबद्ध पक्षों से 'राजनीतिक व्याख्या' करने से बचने को कहा। चीन ने अत्यधिक सक्रियता से एक कदम उठाते हुए पीएलए के रेजिमेंटल कमांडर वी फबाओ को 'ओलंपिक गेम्स टॉर्च रिले' के लिए मशाल वाहक बनाया है। इसके चलते भारत ने खेल के उद्घाटन समारोह का राजनयिक तौर पर शुक्रवार को बहिष्कार किया था। उल्लेखनीय है कि फबाओ जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के दौरान घायल हो गया था। नयी दिल्ली में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कमांडर को सम्मानित करने के चीन के कदम को खेदजनक बताया था। शीर्ष अमेरिकी सांसदों ने भी चीन के इस कदम को 'शर्मनाक' और 'जानबूझ कर उकसाने वाला' बताया है। अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों की समिति के सदस्य एवं रिपब्लिकन सीनेटर जिम रिच ने भी कहा है कि वाशिंगटन भारत की संप्रभुता का समर्थन करना जारी रखेगा। सोमवार को यहां प्रेस वार्ता में यह पूछे जाने पर कि क्या फबाओ को मशाल रिले में उतारना चीन के इस दृष्टिकोण के खिलाफ गया है कि ओलंपिक को खाई पाटनी चाहिए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा, 'मैं जोर देते हुए यह कहना चाहता हूं कि बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के मशाल वाहक व्यापक रूप से प्रतिनिधि हैं, वे सभी संबद्ध मानदंडों को पूरा करते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि संबद्ध पक्ष इसे वस्तुनिष्ठ और तर्कसंगत तरीके से देखेंगे।'

फिलीपींस में एक छोटी बच्ची को कोविड-19 के लिए टीका लगाते हुए चिकित्साकर्मी।

बाइडन ने कहा- यूक्रेन छोड़ देना अमेरिकियों के लिए समझदारी होगी

मॉस्को (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि रूस के सैन्य खतरे के बीच आवश्यक राजनयिकों को छोड़कर अन्य अमेरिकियों के लिए यूक्रेन छोड़ देना समझदारी होगी। बाइडन ने व्हाइट हाउस में जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। इससे पहले दोनों नेताओं ने यूक्रेन संबंधी संकट को लेकर वार्ता की थी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन में कार्यरत अपने गैर जरूरी कर्मियों को वहां से लौटने के लिए अनुमति दे दी है और राजनयिकों के परिवार के सभी सदस्यों से भी वहां से लौट आने की अपील की है। बाइडन ने कहा कि यदि रूस 'टैंक और बलों' के साथ यूक्रेन के खिलाफ कार्रवाई करता है तो रूस से

जर्मनी के बीच अहम प्राकृतिक गैस पाइपलाइन 'नोर्ड स्ट्रीम 2' कायम नहीं रहेगी। यूक्रेन संबंधी गतिरोध को दूर करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के तहत फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वार्ता के लिए रूस में हैं और नीतियों में समन्वय के लिए जर्मनी के चांसलर शोल्ज वाशिंगटन में हैं। यूक्रेन के पास लगभग एक लाख रूसी बलों की तैनाती ने पश्चिमी देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो इसे संभावित आक्रमण की शुरूआत के तौर पर देख रहे हैं। हालांकि, रूस ने अपने पड़ोसी देश पर हमले की किसी भी योजना से इनकार किया है, लेकिन वह अमेरिका और उसके सहयोगियों पर यूक्रेन या किसी अन्य पूर्व-सोवियत देश को नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) में शामिल होने से रोकने का दबाव बना रहा है। रूस ने क्षेत्र में हथियारों की तैनाती रोकने और पूर्वी यूरोप से नाटो बलों को वापस बुलाने की भी मांग की है। अमेरिका और नाटो ने रूस की मांगों को खारिज कर दिया है।

ट्रंप की दोबारा राष्ट्रपति बनने की चाह, बोले- 2020 का चुनाव वह हारे नहीं थे बल्कि जीत उनसे चुरा ली गई

रैलियों में जुट रही भीड़, पैसे भी खूब जुटाए

न्यूयार्क (एजेंसी)

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की दोबारा राष्ट्रपति बनने की इच्छा बलबती होती दिख रही है। ट्रंप ने कहा कि 2020 का चुनाव वह हारे नहीं थे बल्कि जीत उनसे चुरा ली गई दोबारा पद पाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उनकी रैलियों में भारी भीड़ जुट रही है और उन्होंने अच्छा-खासा धन भी जुटाया है। हाल ही में टेक्सस में हुई एक रैली में डोनल्ड ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन के बारे में बात की। और वही राग फिर अलापा कि कैसे 2020 का चुनाव वह हारे नहीं थे बल्कि जीत उनसे चुरा ली गई। उन्होंने कहा, '2020 के चुनाव में धांधली हुई और इसके बारे में सब जानते हैं।' हालांकि इन दावों को सिरे से खारिज किया जा चुका है और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट भी चार राज्यों के चुनावी नतीजों को पलटने के मुकदमे में रद्दी की टोकरी में डाल चुका है। ट्रंप का यह अंदाज जाना-पहचाना है। राजनीतिक समाचार देने वाली एक वेबसाइट में प्रचार अभियानों के मामलों के संपादक ब्रैंडन कोनराडिस कहते हैं 2016 के चुनाव में भी वह ऐसा ही करते थे, तब भी रैलियों में उन्होंने निराधार दावे किए और चुनाव जीता भी। डॉयचे वेले से बातचीत में ब्रैंडन कहते हैं, 'ट्रंप वही कर रहे हैं जो वह हमेशा करते हैं। यानी अपने कट्टर समर्थकों के सामने वे बातें कहना जो वे सुनना चाहते हैं। यह अब भी कामयाब नुस्खा है।' डोनल्ड ट्रंप ने अपने तरकश से कुछ नए तीर भी निकाले हैं। जैसे कि पिछले हफ्ते कॉनरो में एक रैली में उन्होंने 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी कैपिटोल पर चढ़ाई करने वालों के समर्थक में जोरदार भाषण दिया। ट्रंप ने कहा, 'अगर मैं दोबारा चुनाव लड़ा और जीता, तो हम 6 जनवरी वाले लोगों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार करेंगे। और अगर इसका अर्थ उन्हें माफी देना है तो हम उन्हें माफी भी देंगे क्योंकि उनके साथ अन्याय हो रहा है।' 6 जनवरी 021 को अमेरिका में जो हुआ उसे अमेरिका के समकालीन लोकतांत्रिक इतिहास के काले दिनों में गिना जाता है। उस दिन सैकड़ों लोगों की भीड़ कैपिटल हिल बिल्डिंग में घुस गई और तोड़फोड़ मचाई। वे लोग कांग्रेस के उस सत्र को रोकना चाहते थे जिसमें जो बाइडेन की राष्ट्रपति चुनाव की जीत को औपचारिक मंजूरी दी जा रही थी। उस घटना में पांच लोगों की मौत हुई थी। तब से 700 लोगों पर आरोप तय किए जा चुके हैं।

जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी में राजनीतिक प्रबंधन पढ़ाने वाले एसोसिएट प्रोफेसर माइकल कॉर्नफील्ड कहते हैं, 'जब ट्रंप ऐसी भड़काऊ बातें कहते हैं तो उनका सबसे बड़ा मकसद होता है लोगों का ध्यान खींचना।' कॉनरो में लोगों को माफी देने वाल ट्रंप का बयान उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी के लोगों को भी रास नहीं आ रहा है। कई लोगों ने सामने आकर इस विचार का विरोध किया है। ट्रंप के सहयोगी रहे लिंजी ग्राहम ने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि वे लोग जेल जाएंगे क्योंकि वे इसी के हकदार हैं।

शीर्ष अधिकारियों का इस्तीफा, विपक्ष ने बनाया पद छोड़ने का दबाव, जॉनसन की लॉकडाउन पार्टी क्या उन्हें पड़ेगी भारी?

लंदन (एजेंसी)

कोविड-19 लॉकडाउन के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय में पार्टी के आयोजन पर विवादों में घिरे प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के पांच करीबी सहयोगियों ने इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद पाटीर्गेट मुद्दे से आगे बढ़ने के लिए कार्यालय में की नए अधिकारियों की नियुक्ति की है। प्रधानमंत्री ने लंदन के मेयर के रूप में अपने दिनों के सहयोगी गुटो हैरी को जिम्मेदारी सौंपी है जो हाल ही में जॉनसन के आलोचक रहे हैं। 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रधानमंत्री द्वारा अपनी टीम में बदलाव के बाद तत्काल अविश्वास मत का खतरा कम होता दिख रहा है। लेकिन कंसर्वेटिव पार्टी के लोगों ने सू ग्रे द्वारा दूसरी रिपोर्ट सौंपेन के बाद जॉनसन की मुश्किलें बढ़ने की आशंका व्यक्त की है। वहीं जॉनसन के प्रतिद्वंद्वी और पूर्व विदेश मंत्री जेरेमी हंट ने कहा है कि दो रिपोर्टों के बाद कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जॉनसन को बीते दिनों तब बड़ा झटका लगा था जब विवाद बढ़ते देख जॉनसन के कार्यालय के पांच शीर्ष अधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। हफ्तों की उथल-पुथल के बाद सरकार पर नियंत्रण फिर मजबूत करने की कोशिश के तहत जॉनसन ने नए अधिकारियों की नियुक्ति का कदम उठाया है। उन्होंने वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री स्टीव बार्कले को अपना नया 'चीफ ऑफ स्टाफ' नियुक्त किया है। कोविड-19 रोधी प्रतिबंधों के बीच 2020 और 2021 में सरकारी दावतें आयोजित करने को लेकर जॉनसन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है और उनके इस्तीफे तक की मांग की जा रही है। इसके चलते सत्ता पर जॉनसन की पकड़ कमजोर हुई है।

आईएसआईएस सरगना सनाउल्ला गफ्फारी पर अमेरिका ने रखा एक करोड़ डॉलर का इनाम

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका ने आईएसआईएस-खोरासान (आईएसआईएस-के) के सरगना सनाउल्ला गफ्फारी और काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बीते साल हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों से जुड़ी सूचना देने पर एक करोड़ डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है। अमेरिका के रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) विभाग ने सोमवार को इस आशय की अधिसूचनाएं जारी कीं। अधिसूचना के मुताबिक, 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस आईएसआईएस-के सरगना शहाब अल-मुहाजिर, जिसे सनाउल्लाह गफ्फारी के नाम से भी जाना जाता है, की जानकारी देने के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की पेशकश कर रहा है।' इसमें कहा गया है कि इनाम '26 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान के काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हुए आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की जानकारी देने' के लिए भी है। आरएफजे के अनुसार, 1994 में अफगानिस्तान में जन्मा गफ्फारी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के का मौजूदा नेता है। विभाग ने बताया कि वह पूरे अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के के सभी अभियानों को मंजूरी देने और उन पर अमल के लिए फंडिंग की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार है। आरएफजे ने कहा कि अमेरिकी द्वारा प्रतिबंधित एक विदेशी आतंकी संगठन आईएसआईएस-के ने काबुल हवाईअड्डे पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। इस हमले में कम से कम 185 लोग मारे गए थे, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक शामिल थे, जो नागरिकों की निकासी के अभियान में सहयोग दे रहे थे। आईएसआईएस-के के केंद्रीय नेतृत्व ने जून 2020 में गफ्फारी को संगठन का नेता नियुक्त किया था। अधिसूचना में कहा गया है, 'आईएसआईएस ने गफ्फारी की नियुक्ति से जुड़ी घोषणा में उसे एक अनुभवी सैन्य नेता और काबुल में आईएसआईएस-के के शहरी शेरों में से एक के रूप में बताया था, जो गुरिल्ला अभियानों के अलावा कई जटिल आत्मघाती हमलों की साजिश में शामिल रहा है।'

आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन रहा अफगानिस्तान, मिली है अधिक स्वतंत्रता

संयुक्त राष्ट्र।(एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि अफगानिस्तान में हाल में सत्ता में आए तालिबान के अल कायदा के साथ पूर्व संबंधों के कारण अफगानिस्तान चरमपंथियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन रहा है और 'आतंकवादी संगठनों के हालिया इतिहास में उन्हें वहां पहले से अधिक स्वतंत्रता मिली हुई है।' संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह दोनों से जुड़े चरमपंथी अफ्रीका, खासकर अशांत साहेल में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामिक स्टेट इराक और सीरिया में 'एक ग्रामीण विद्रोह' के रूप में सक्रिय है। विशेषज्ञों ने कहा कि इंडोनेशिया और फिलीपीन दोनों ने इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा से जुड़े 'आतंकवाद' से निपटने में एक 'महत्वपूर्ण बढ़त' की जानकारी भी दी है। अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के खिलाफ लगे प्रतिबंधों की निगरानी करने वाली विशेषज्ञों की समिति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिका और नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सैनिकों की 20 वर्ष बाद अफगानिस्तान से अराजकता भरी वापसी के बाद 15 अगस्त को तालिबान सत्ता में आया और तब से 2021 के अंतिम छह महीनों में कई घटनाएं हुई हैं।

विशेषज्ञों ने कहा, 'हाल में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि तालिबान ने देश में विदेशी आतंकवादियों की गतिविधियों को सीमित करने के लिए कदम उठाए हैं,' बल्कि इसके विपरित आतंकवादी संगठन 'अपार स्वतंत्रता' का आनंद ले रहे हैं। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने 'अफगानिस्तान में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की कोई जानकारी नहीं दी है।' विशेषज्ञों ने उल्लेख किया कि अल-कायदा ने 31 अगस्त को तालिबान को उसकी जीत पर बधाई देते हुए एक बयान जारी किया था, लेकिन तब से उसने 'एक रणनीतिक चुप्पी बनाए रखी है। संभवतः यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता एवं वैधता हासिल करने के लिए तालिबान के प्रयासों को नुकसान नहीं पहुंचाने का प्रयास है।' समिति ने यह भी बताया कि जनवरी 2021 में अल-कायदा के सरगना अयमान अल-जवाहिरी के जिंदा होने की जानकारी मिली थी, 'लेकिन सदस्य देशों का मानना है कि उनकी हालत बेहद खराब है।'

पुतिन के करीब आने की कोशिश में इमरान, 23 साल बाद मास्को का दौरा करेगा कोई पाक कप्तान, आखिर क्या चाहता है रूस?

नई दिल्ली (एजेंसी)

पाकिस्तान के कप्तान इमरान चीन की सरजमी का इस्तेमाल भारत विरोधी अपने एजेंडे को साधने की करने की फिराक में थे। लेकिन उनकी ये कोशिश पूरी तरह से नाकाम साबित हुई। कश्मीर को लेकर रूस से उम्मीद लगाए बैठे इमरान को पुतिन ने दो टूक जवाब दे दिया कि वो भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय मसलों में दखल नहीं देंगे। अब पाकिस्तान रूस से नजदीकियां बढ़ाने में लगा है और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जल्द ही रूस की यात्रा करने वाले हैं। इमरान खान 23 वर्षों में रूस की द्विपक्षीय यात्रा पर जाने वाले पहले पाकिस्तानी प्रधान मंत्री होंगे। पाकिस्तान में राजनयिक सूत्रों ने खुलासा किया है। इस महीने खान की रूस यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर होने जा रही है। कहा जा रहा है कि पाकिस्तानी अधिकारियों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी रूस जाएगा। हालांकि रूस की तरफ से पाक को निमंत्रण को लेकर कोई औपचारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की इस यात्रा को क्षेत्रीय भू-रणनीतिक पुनर्गठन की वजह से गेम चेंजर के रूर में देखा जा रहा है। यात्रा के एजेंडे में द्विपक्षीय संबंध, अफगानिस्तान की स्थिति, रक्षा सहयोग की बातचीत और 1100 किलोमीटर से अधिक की उत्तर-दक्षिण गैस पाइपलाइन को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता शामिल होगी। पाइपलाइन की स्थापना का उद्देश्य कराची के बंदरगाह शहर से पाकिस्तानी पंजाब प्रांत के लोड सेंटर में आयातित गैस के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करना है। पिछली बार एक निर्वाचित पाकिस्तानी प्रधान मंत्री ने द्विपक्षीय यात्रा पर रूस का दौरा मार्च 1999 में पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ के कार्यकाल के दौरान किया था। 2003 में पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ ने रूस का दौरा किया था। जबकि 2011 में पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रूस का दौरा किया था। यहां आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इमरान खान के बीच कम से कम तीन बार फोन पर बातचीत हो चुकी है। दोनों ही नेताओं ने अभी हालिया दिनों में चीन की राजधानी बीजिंग में विंटर ओलंपिक के ओपनिंग सेरेमनी में शिरकत भी की। लेकिन इमरान खान की लाख कोशिशों के बाद भी पुतिन से मुलाकात नहीं हो सकी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सत्ता संभालने के बाद से अब तक पाकिस्तान के पीएम इमरान खान से टेलीफोन पर चर्चा नहीं की है। इस वजह से इमरान खान की रूस यात्रा को पाकिस्तानी सरकार की ओर से क्षेत्रीय पुनर्संरेखण के संभावित संदर्भ में देखा जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हिजाब पर कर्नाटक में बवाल, मंत्री बोले पुलिस बल प्रयोग करने पर ना करें मजबूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के कई भागों में कॉलेज में हिजाब पहनने के पक्ष और विरोध में तेज होते प्रदर्शनों के बीच राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि किसी को भी पुलिस बल का प्रयोग करने के मजबूर नहीं करना चाहिए। राज्य के उडुपी, शिवमोगा, बागलकोट और अन्य भागों में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में तनाव बढ़ने के चलते पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है और इसी बीच गृह मंत्री की यह चेतावनी आई है। वहीं, कर्नाटक उच्च न्यायालय में मंगलवार को उडुपी स्थित एक महाविद्यालय में हिजाब पहनने की अनुमति देने के लिए विद्यार्थियों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई होने की उम्मीद है। ज्ञानेंद्र ने कहा, आप (छात्र) सभी शिक्षित हैं, आपको अपने भविष्य के बारे में सोचना होगा। कोविड–19 के दो साल बाद, इस साल ठीक तरह से कक्षाएं संचालित हो पा रही हैं। आगामी महीनों में परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं और यह समय उसकी तैयारी का है। इन घटनाओं के पीछे धार्मिक ताकतों का हाथ होने की ओर इशारा करते हुए मंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा, इस देश के बच्चे होने के नाते, हम सभी को भाइयों की तरह साथ खड़ा होना चाहिए। पोशाक समानता का प्रतीक है। शैक्षणिक संस्थान हमारे धार्मिक आस्था का पालन करने या हमारी वेशभूषा दिखाने का स्थान नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में बढ़ रहा भाजपा का जनाधार, कई दिग्गजों ने थामा पार्टी का दामन

जम्मू–कश्मीर से आर्टिकल 370 के हटने के बाद भाजपा लगातार वहां विस्तार की कोशिश कर रही है। पार्टी ने जम्मू क्षेत्र के साथ–साथ कश्मीर में भी अपनी पकड़ मजबूत करने की शुरुआत कर दी है। डीडीसी के भी चुनाव में भाजपा को काफी सफलता हासिल हुई थी। यही कारण है कि दूसरे दलों के भी नेता अब भाजपा में जुड़ने लगे हैं। इसी कड़ी में राजौरी के प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक व्यक्तित्व ने भाजपा का दामन थामा है। इन लोगों को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना ने पार्टी में शामिल कराया। इस अवसर पर जम्मू कश्मीर भाजपा के कई और नेता भी मौजूद रहे जिसमें विबोध गुप्ता और ठाकुर रणधीर सिंह भी शामिल हैं। भाजपा में शामिल होने वाले नेता नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी या अन्य राजनीतिक दलों को छोड़कर आए थे। रविंदर रैना ने नए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि वे प्रमुख सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता हैं जो समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार में उनका खुले दिल से स्वागत करते हैं। रविंदर रैना ने कहा कि निःस्वार्थ भाव से देश और समाज की सेवा करने के लिए भाजपा सबसे अच्छा मंच है। रैना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा कार्यकर्ताओं के गहन और समर्पित प्रयासों के परिणामस्वरूप क्षेत्र या धर्म के बावजूद हर कोई भाजपा में शामिल होना चाहता है।

अजमेरः ख्वाजा गरीब नवाज के दर पर अदा की गई बसंत की रस्म

अजमेर। सोमवार के दिन गंगा जमुनी तहजीब का केंद्र ख्वाजा गरीब नवाज के दर पर रहमतुल्लाह अलैह के 810वें उर्स के मुबारक मौके पर बसंत की रस्म अदा की गई। यह रस्म दरगाह के दीवान परिवार के साथ ही शाही कव्वाल और दरगाह के खादिमों की ओर से अदा की गई। इस दौरान ख्वाजा साहब के जयकारों से दरगाह गूंज उठी। शाही कव्वाल की ओर से सोमवार को बसंत बसंत है सुहाना सहित अन्य कलाम ख्वाजा साहब की शान में पेश की गए। दरगाह के दीवान सैयद जैनुल आबेदीन के बेटे सैयद नसीर उद्दीन चिश्ती ने बताया कि सोमवार को 5 रजब के मौके पर दरगाह में बसंत की रस्म अदा की गई। यह बसंत की रस्म हिंदू मुस्लिम एकता और भाईचारे का पैगाम देती है। ख्वाजा गरीब नवाज पूरी दुनिया में अमन चैन और भाईचारे का पैगाम देते हैं, ऐसे में इस तरह की रस्में यहां आयोजित की जाती है जिसमें बड़ी संख्या में लोग शिरकत करते हैं। शाही कव्वाल असरार हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह रस्म किसी की सदारत में नहीं होती, सभी लोग इस खास रस्म को मुकम्मल करते हैं। आपको बता दें दरगाह के निजाम गेट से जुलूस की शुरुआत हुई जहां से शाही कव्वाल असरार हुसैन ने साथी सूफियाना कलाम पेश किया। इस दौरान पीले रंग का बसंत का गुलदस्ता हाथ में लेकर कव्वाल कव्वालियां गाते हुए ख्वाजा साहब की खिदमत में गुलदस्ता लेकर पहुंचे और सुंदर खाना दरवाजा से होते हुए आहाते ऐनूर में पहुंचे इसके बाद महफिल का आयोजन किया गया। और इसके बाद बसंत गुलदस्ता मजार ए शरीफ पर पेश किया गया। इस मौके पर दरगाह के दीवान और कई प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उत्तराखंड- हाड़ कंपाने और खून जमा देने वाली ठंड में सीमा की सुरक्षा पर मुस्तैद हैं जवान

देहरादून । अनुकूल मौसम में तो सब काम आसान होता है पर प्रतिकूल परिस्थितियों देश की सीमाओं की रक्षा करना आसान नहीं होता। ऐसी ही दुरूह परिस्थिति में उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में खून जमा देने वाली ठंड के बीच भी भारतीय सेना के जवान बड़ी ही मुस्तैदी से डटे हुए है। चमोली जिले से सटी चीन सीमा पर भारी बर्फ के बीच भी सेना लगातार गश्त कर रही है। एक वीडिया सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा रहा है कि कैसे जवान बर्फ में भी सीमा की सुरक्षा में डटे हुए है। ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं है कि आज देश वीर जवानों की वजह ही सुरक्षित है। सीमा पार हो या फिर देश के भीतर भारतीय सेना के जवान अपनी ड्यूटी को पूरी शिद्दत से करते हैं। उन्हीं की वजह से हम घरों के भीतर चैन से रह पाते हैं। उत्तराखंड में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में हो रही भारी बर्फबारी ने यहां का जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। इन सबके बीच हमारे जवान सरहद की सुरक्षा में डटे हुए हैं। बारिश, बर्फबारी कड़ाके की ठंड कोई भी उनके हौसलों को नहीं डिगा पाई है। चमोली उत्तराखंड का पहाड़ी जिला है। यहां के ऊंचाई वाले स्थानों पर बारिश और बर्फबारी से तापमान काफी नीचे पहुंच जाता है। बदरीनाथ, औली समेत जिले के कई क्षेत्रों में भारी हिमपात होता है। इससे न सिर्फ हाड कंपाने देने वाली ठंड पड़ती है, बल्कि रास्ते भी बंद हो जाते हैं, जिससे आम जन को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बार्डर एरिया पर भी इस तरह की दिक्कतें देखने को मिलती है, लेकिन हमारे जवान हर परिस्थिति से निपटने को तैयार रहते हैं और वे किसी भी परिस्थिति का डटकर सामना करते हैं।

मुख्यमंत्री चन्नी के भतीजे की हिरासत 11 फरवरी तक बढ़ी, अवैध खनन मामले में हुई थी गिरफ्तारी

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भतीजे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आपको बता दें कि भूपिंदर हनी की हिरासत बढ़ा दी गई है और अब वह 11 फरवरी तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में रहेंगे। कोर्ट में ईडी ने दावा किया कि भूपिंदर हनी ने पूछताछ में कबूला कि अवैध खनन मामले में अधिकारियों का तबादला करवाकर करोड़ों रुपए की वसूली की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महाराष्ट्र का अपमान करने के लिए माफी मांगनी चाहिए- नाना पटोले

- मजदुर नहीं बल्कि नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम के जरिए पीएम मोदी बने कोरोना स्प्रेडर
- कांग्रेस कार्यकर्ता राज्य भर में भाजपा कार्यालयों के सामने आज करेंगे आंदोलन

मुंबई (एजेंसी)

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में अपने भाषण में छत्रपति शिवाजी महाराज के महाराष्ट्र के 12 करोड़ लोगों पर कोरोना फैलाने का झूठा आरोप लगाकर उनका अपमान किया है। पीएम मोदी पर यह निशाना महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने साधा है। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी अपने इस बयान के लिए माफी नहीं मांगते हैं तो कांग्रेस पार्टी बुधवार को राज्य भर में बीजेपी दफ्तरों के सामने प्रदर्शन करेगी। पटोले ने कहा कि यदि राज्य के भाजपा नेताओं को महाराष्ट्र की इतिहास और गरिमा पर कोई विश्वास है, तो उन्हें भी प्रधानमंत्री के इस बयान का विरोध करना चाहिए, अन्यथा उन्हें राज्य के इतिहास में 'महाराष्ट्र देशद्रोही' के रूप में दर्ज किया जाएगा। मुंबई के गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पटोले ने कहा कि जब से महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा को सत्ता से बेदखल किया है, सड़कों से लेकर दिल्ली तक के सभी भाजपा नेताओं को महाराष्ट्र से नफरत करने की बीमारी हो गई है। इसलिए हर दिन वे महाराष्ट्र को बदनाम करने के लिए झूठी साजिश रच रहे हैं। अब प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के लिए नफरत की सारी हदों को पार कर दिया है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए उन्होंने महाराष्ट्र का अपमान किया है। वे भूल गए हैं कि प्रधानमंत्री पूरे देश का होता है। पटोले ने कहा कि पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री पद की गरिमा खो दी है और वे केवल भाजपा प्रचारक बन कर रह गए हैं। नाना पटोले ने कहा कि मानवधर्म और महाराष्ट्र धर्म का पालन करते हुए कांग्रेस पार्टी और महाविकास अघाड़ी सरकार ने कोविड संकट में सभी जरूरतमंद लोगों की मदद करने की पहल की। लॉकडाउन के के दौरान जिन प्रवासी भाइयों को भोजन की आवश्यकता थी, उनके लिए भोजन की व्यवस्था की और उनके लिए मुफ्त टिकटों का इंतजाम कर उन्हें सुरक्षित और सम्मान के साथ घरों तक पहुंचाया। संकट में मजदूरों की मदद करने की बजाय प्रधानमंत्री लोगों से थाली बजाने के अलावा अपने आवास पर मोरों को खाना खिला रहे थे। पटोले ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आम जनता की तुलना में अपने व्यापारिक मित्रों की अधिक परवाह करते हैं। पूरे कोरोना काल में पीएम मोदी ने अपने उद्योगपति दोस्तों का ख्याल रखा लेकिन आम जनता को सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दिया। ऐसे समय में महाराष्ट्र कांग्रेस ने लोगों की मदद का बीड़ा उठाया। पटोले ने कहा कि कोरोना संकट की शुरुआत में नमस्ते ट्रंप जैसे कार्यक्रमों के साथ नरेंद्र मोदी ही कोरोना के असली स्प्रेडर हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी जिन लोगों पर कोरोना फैलाने का आरोप लगाया है, दरअसल में वे प्रवासी मजदुर और कोरोना वॉरियर्स हैं।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 2 मार्च से

चंडीगढ़। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विधानसभा का बजट सत्र 2 मार्च से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की बैठक में 28 एजेंडों पर चर्चा हुई। हम आजादी से पहले के कानूनों को खत्म करेंगे। जिन कानूनों की उपयोगिता खत्म हुई, वह खत्म होंगे। मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में धर्मांतरण को कानूनी रूप से रोक रहे हैं। जबरदस्ती शादी कराना भी धर्मांतरण की कैटेगरी में है।मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मांतरण रोकने के लिए सख्त अधिनियम बनाया जाएगा।मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 2 मार्च से शुरू करने का प्रस्ताव पास किया गया। ये प्रस्ताव अब महामहिम राज्यपाल और विधानसभा स्पीकर भेजा जाएगा हरियाणा गैरकानूनी धर्मांतरण रोकथाम विधेयक 2022 को कैबिनेट ने दी मंजूरी।अब विधानसभा में पेश किया जाएगा विधेयक। मंत्रिमंडल में ने निरसन विधेयक 2021 को दी मंजूरी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के उन 20 अधिनियमों को निरस्त किया जाएगा जो अब उपयोग में नहीं।शाहाबाद शुगर मिल को केएलपीडी एथनोल प्लांट की स्थापना के लिए 8.92 करोड रुपए की मंजूरी। पंजाब डिस्टिलरी नियम (हरियाणा राज्य में लागू) में नया नियम 16इ जोड़ा गया... इससे डिस्टलरी में स्पिरिट के बाहर जाने के मापन के लिए फ्लो मीटर लगेंगे। निजी जमीन पर बनी किसी इमारत को 20 साल तक परिवार क्लेम कर पाएगा... उससे पहले की किसी भी इमारत या इंफ्रास्ट्रक्चर पर परिवार का क्लेम नहीं होगा। मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना की रडढ को लागू करने की मंजूरी, इस योजना में अब केन्द्र सरकार की 5 योजनाओं को सम्मिलित किया गया। हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सरकार के बीच आदिबद्री बांध के निर्माण के एमओयू को एक्स पोस्ट–फैक्टो स्वीकृति।

संसद में झूठ बोल रहे हैं पीएम, नाकामी छिपाने के लिए ले रहे हैं नेहरू का नामः कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद में बार-बार 'झूठ' बोल रहे हैं तथा अपनी 'नाकामी' छिपाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का नाम ले रहे हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस के होने के कारण आज देश का संविधान है और कभी दो सांसदों वाली पार्टी रही भाजपा सत्ता तक पहुंच गई। सुरजेवाला ने ट्वीट किया, 'माननीय मोदी जी, आजादी के 75वें साल में केवल झूठ-नफरत-अहंकार-प्रोपोगेंडा और पूंजीपतियों का अमृत-काल चल रहा है। युवाओं, किसानों, गृहणियों, गरीबों, छोटे दुकानदारों और व्यवसाइयों का तो 'राहुकाल' चल रहा है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस है इसीलिए- कभी दो सांसदों वाली पार्टी आज सत्ता में है, दमन यंत्रों के बीच भी जनता की आवाज है, झूठ और प्रोपोगेंडा के बीच भी बेखौफ सच है, जुमलों वाली निकम्मी सरकार की सनक के बीच जनसेवा का धर्म निभाने वाला समर्पित विपक्ष है, पूंजीपतियों की गुलामी नहीं,देश की परवाह है।' कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने दावा किया, 'कांग्रेस है इसीलिए- बाबा साहब का संविधान है, स्वतंत्रता सेनानियों के सपने सच हैं, बापू के विचार और आदर्श जीवंत हैं, परमाणु शक्ति और तकनीकी क्रांति है, हमसे टकराने वाले पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए हैं, वैश्विक मंदी में भी भारत मजबूत रहा है,विपक्ष व असहमति की भी जगह रही है।' उन्होंने कहा, 'और जान लें, मोदी सरकार न होती तो - महा-महंगाई का बोझ न होता, 100 रुपये पार पेट्रोल-डीजल न होता, 200 रुपये पार खाने का तेल न होता, रुपये 1,000 पार गैस सिलेंडर न होता, 205 प्रतिशत रेल किराया न बढ़ा होता, जूते-चप्पलों पर 18 प्रतिशत टैक्स न लगा होता, लोगों का बजट लूटना सरकार का धर्म न होता।' सुरजेवाला ने दावा किया, 'मोदी सरकार न होती तो - बेतहाशा बेरोजगारी की मार न होती, बेरोजगारी दर 8 प्रतिशत पार न होती, विनिर्माण में 2.70 करोड़ नौकरी न जाती, लॉकडाउन में 12.20 करोड़ की नौकरी न जाती, केंद्र सरकार में 30 लाख पद खाली न होते, 'डेमोग्रैफिक डिवीडेंड डेमोग्रैफिक डिजास्टर' न बनता।' कांग्रेस प्रवक्ता अजय कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, 'नेहरू जी का निधन 60 साल पहले हो गया था। लेकिन प्रधानमंत्री आज उन्हें बार-बार याद कर रहे हैं ताकि अपनी नाकामी छिपा सकें। प्रधानमंत्री मोदी इतने कमजोर हैं कि उन्हें नाकामी छिपाने के लिए भी देश के पहले प्रधानमंत्री के नाम का सहारा लेना पड़ रहा है।'

पीएम मोदी के बयान पर केजरीवाल बोले- लोगों की पीड़ा पर राजनीति करना शोभा नहीं देता

नई दिल्ली (एजेंसी)

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसद में दिए इस बयान को सोमवार को 'झूठ' करार दिया कि दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान लोगों से राष्ट्रीय राजधानी छोड़कर जाने के लिए कहा था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए मोदी ने दिल्ली सरकार पर माइक्रोफोन का इस्तेमाल करके रिहायशी इलाकों में जाकर लोगों से शहर को छोड़ने के लिए कहने का आरोप लगाया।

मोदी के लोकसभा में दिए भाषण की एक क्लिप टैग करते हुए केजरीवाल ने उनके बयान को 'सरासर झूठ' करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री का यह बयान सरासर झूठ है। देश उम्मीद करता है कि जिन लोगों ने कोरोना काल की पीड़ा को सहा, जिन लोगों ने अपनों को खोया, प्रधानमंत्री जी उनके प्रति संवेदनशील होंगे। लोगों की पीड़ा पर राजनीति करना प्रधानमंत्री जी को शोभा नहीं देता।

यूपी में उनके भाई अखिलेश चुनाव लड़ रहे हैं, उन्हें सपोर्ट करना जरूरी : ममता

लखनऊ। (एजेंसी)

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के लिए प्रचार करने पहुंचीं। यहां ममता ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ साझा प्रेस कॉफ्रेंस कर बीजेपी पर जमकर हमला किया।उन्होंने कहा कि बीजेपी को वोट से पहले माफी मांगनी चाहिए। यहां कोरोना काल के दौरान मौत, किसान आंदोलन के दौरान हुई मौतों का जिक्र किया। ममता ने बताया कि अखिलेश ने बंगाल चुनाव के दौरान जया बच्चन, किरणमय नंदा को भेजकर टीएमसी के प्रचार में मदद की थी।ममता बनर्जी ने कहा कि एकजुट होकर सपा को वोट करें और बीजेपी को हराएं।ममता ने कहा कि मैं सांप्रदायिक राजनीति नहीं करती।

ममता ने कहा कि टीएमसी यूपी में चुनाव नहीं लड़ रही है।लेकिन अगर देश को बीजेपी से बचाना है,तब यूपी में जो उनके भाई अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे हैं,उन्हें सपोर्ट करना जरूरी है। यूपी, बिहार, राजस्थान, पंजाब के कई लोग बंगाल में रहते हैं। ममता ने कहा कि यूपी देश का सबसे बड़ा राज्य है,और अगर बीजेपी इस राज्य से गई,तब वह पूरे देश से गई। ममता ने 'ए मेरे वतन के लोगों गाकर लता मंगेशकर को याद किया।

ममता ने कहा कि बीजेपी नाम बदल रही है।अमर जवान ज्योति को नष्ट कर दिया गया।उन्होंने बीजेपी पर देश का नाश करने का आरोप लगाया।ममता ने कहा कि बीजेपी कानून से काम नहीं करती, बल्कि एनकाउंटर करती है।मैंने सुना है, कि आज हमारा कार्यक्रम है,इसकारण बीजेपी आज मैनिफेस्टो निकाल रही है। उन्नाव और हाथरस में क्या हुआ? गंगा माई की हम पूजा करते हैं, यूपी की गंगा में डेड बॉडी मिलीं।सब लाश गंगा मां में फेंक दी गईं।बंगाल तक आईं उन लाशों का वहां अंतिम संस्कार कराया गया था।

बीजेपी के घोषणापत्र का जिक्र कर ममता ने कहा कि मैंने सुना स्कूटी दे रहे हैं, अब तक दिया क्यों नहीं।मैंने 1 लाख से ज्यादा साइकिल बच्चों को दी।उन्होंने कहा कि जनता का रुपया आप ले जाते हो, 40 प्रतिशत राज्य को देकर बचा खुद रख लेते हो. यह सब जानता का रुपया है। ममता ने कहा कि कोरोना में कितने लोगों की मौत हुई, एनआरसी आंदोलन में कितने लोगों की मौत हुई,किसान आंदोलन में कितने लोगों की मौत हुई, उन सब के परिवारों को नौकरी मिलनी चाहिए।उन गरीबों को रेल में नौकरी दे दो. रेलवे में कई नौकरियां खाली हैं।

इस दौरान अखिलेश ने कहा कि मैं ममता बनर्जी को बधाई देता हूं जिन्होंने सांप्रदायिक ताकतों को हराने का काम किया। दीदी सोमवार को कोलकाता से उड़कर लखनऊ आ गई लेकिन दिल्ली वाले नहीं आ पाए कह दिया मौसम खराब है, सच में भाजपा वालों के लिए बीजेपी में मौसम खराब है।

कांग्रेस के चारधाम, चार काम नारे पर पीएम मोदी ने कसा तंज, कहा- पार्टी ने केवल परिवार सेवा और तुष्टीकरण का काम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस के चारधाम, चार काम नारे पर तंज कसते हुए कहा कि उसके चार काम परिवार सेवा, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परियोजनाओं को लटकाने के हैं। प्रदेश में आगामी 14 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में वर्चुअल प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड से लोगों के पलायन का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ते हुए कहा कि जब दिल्ली और उत्तर प्रदेश में वर्षों तक इनकी (कांग्रेस) सरकारें रहीं तो इन्हें चारधामों की कभी याद नहीं आई। उन्होंने कहा, 'ये (कांग्रेस) सही कह रहे हैं कि इन्हें केवल चार काम आते हैं...पहला काम, जो भी करेंगे एक परिवार के हित के लिए करेंगे। दूसरा काम, जो भी करेंगे, उसमें भ्रष्टाचार होगा ही होगा। तीसरा काम, ये तुष्टीकरण की राजनीति करेंगे।'

मोदी ने कहा, 'इनका (कांग्रेस) चौथा काम देश को टुकड़ों में बांटने के षड्यंत्र का खेल खेलना, वोट बैंक के लिए योजनाओं में भेदभाव करना और परियोजनाओं को लंबे समय तक लटकाकर रखना है जिससे कि अपनी जेब भर सकें।' उन्होंने कहा कि दशकों तक दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकारें रहीं लेकिन तब इनके नेता यहां सैर सपाटे के लिए आते रहे लेकिन तब इन्हें न तो उत्तराखंड की याद आई और न ही इसके तीर्थ क्षेत्रों या चार धामों की याद आई। उन्होंने कहा, 'इतने सालों तक इन्हें केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की याद कभी नहीं आई।' प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को कभी समझ में नहीं आया कि आवागमन की सुविधा के अभाव में प्रदेश के लोगों को कितनी मुश्किल होती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से पूरे के पूरे परिवार पलायन कर गए, गांव के गांव खाली हो गए लेकिन कांग्रेस को उनका ध्यान नहीं आया। उन्होंने भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार चार धामों को दिव्य और भव्य रूप प्रदान कर रही है और लोगों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ा रही है। मोदी ने कहा कि पार्टी संगठन में रहते हुए और गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पहले से उनका उत्तराखंड की धरती से एक विशेष नाता रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं आपके बीच में रहा हूं। आप मुझे अच्छी तरह जानते हैं, मैं आपको जानता हूं... तो आपका जब कोई यहां बैठा है तो आपके लिए जिएगा या नहीं। आपके लिए काम करेगा या नहीं।' प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा कि वे उत्तराखंड के विकास और उज्ज्वल भविष्य की राह में रोडे. अटकाने वालों को सत्ता सौंपने की गलती न करें और भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार को दोबारा वोट दें। कांग्रेस नेता हरीश रावत का नाम लिए बिना मोदी ने कहा कि जब वह केंद्र में रसूखदार मंत्री हुआ करते थे तब प्रदेश में सड़कें बनाने के लिए केंद्र से 2,800 करोड़ रुपये मिले जबकि पिछले सात साल के भाजपा सरकार के कार्यकाल में केंद्र से दस गुना ज्यादा यानी 33,000 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में संप्रग के 10 साल कार्यकाल में बनाई गईं 3,800 किलोमीटर सड़कों के मुकाबले पिछले सात साल में भाजपा सरकार के समय 13,500 किलोमीटर सड़कें बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'चारधाम की याद इन्हें आज तब आ रही है जब डबल इंजन की सरकार चारधाम सड़कों के लिए 12,000 करोड़ रुपये दे चुकी है और 90 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा कर चुकी है।'

कोविड के दौरान शिक्षा देने के लिए पीएम ई-विद्या योजना शुरू की गई : शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)

महामारी कोरोना के समय शिक्षा को बच्चों तक पहुंचाने में सरकार सतत प्रयत्नशील रही। केंद्र सरकार ने बताया कि कोविड-19 महामारी के प्रसार के कारण ऐहतियातन स्कूल बंद होने की स्थिति को देखते हुए प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा देने के लिए पीएम ई-विद्या योजना शुरू की गई तथा दीक्षा एवं निष्ठा कार्यक्रम के जरिये छात्रों से संपर्क स्थापित किया गया। लोकसभा को पीपी चौधरी, जगदम्बिका पाल, महेन्द्र सिंह सोलंकी, सुनील कुमार सिंह, बृजभूषण शरण सिंह, प्रताप चंद्र सारंगी, डा. सुभाष भामरे के प्रश्न के लिखित उत्तर में शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि महामारी के कारण छात्रों की पढ़ाई में व्यवधान को ध्यान में रखते हुए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से चर्चा के बाद छात्रों तक पहुंच बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए बहुआयामी दृष्टिकोण के आधार पर योजना बनाई गई। उन्होंने कहा कि इसके तहत आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में पीएम ई-विद्या नामक एक व्यापक पहल शुरू की गई है, जो शिक्षा के लिए बहुआयामी पहुंच सुगम बनाने के उद्देश्य से सरकार ने कहा कि समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत छठी से 12वीं कक्षा वाले सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में सूचना संचार प्रौद्योगिकी लैब (आईसीटी लैब) और स्मार्ट कक्षा स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि दीक्षा के तहत डिजिटल सामग्री के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत 2021-2022 में 10,778 स्कूलों में आईसीट लैब के लिए 1003.8 करोड़ रुपये, 42276 स्कूलों में स्मार्ट कक्षा के लिए 956.8 करोड़ रुपए और दीक्षा कार्यक्रम के लिए 10.98 करोड़ स्वीकृत किए गए। उन्होंने कहा कि दीक्षा (एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफार्म) राज्यों/केंद्रशासित क्षेत्रों में स्कूल शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री उपलब्ध कराने हेतु देश का डिजिटल बुनियादी ढांचा है और इस पर सभी ग्रेड के लिए क्यूआर कोड युक्त पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध हैं।

शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि देश में 35 राज्य और केंद्रशासित क्षेत्र दीक्षा प्लेटफार्म पर शामिल हो गए हैं और स्थानीय आवश्यकता के अनुसार इसकी सामग्री को अवधारणात्मक बनाया गया है। सुभाष सरकार ने बताया कि जहां डिजिटल सुविधा (मोबाइल उपकरण/डीटीएच टेलीविजन) आदि उपलब्ध नहीं है, वहां शिक्षा मंत्रालय ने कई पहल की हैं । इनमें शिक्षार्थियों के आवास पर पाठ्य-पुस्तकें, वर्कशीट की आपूर्ति, 21वीं सदी के कौशल पर हैंडबुक और समुदाय/मोहल्ला कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक स्तर के लिए निष्ठा ऑनलाइन कार्यक्रम में 11 भाषाओं में 18 मॉड्यूल शामिल हैं, जहां पठन पाठन में आईसीटी का उपयोग होता है। इसी

तरह, माध्यमिक और प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों के लिए निष्ठा 2.0 और निष्ठा 3.0 की शुरूआत की गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई